डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

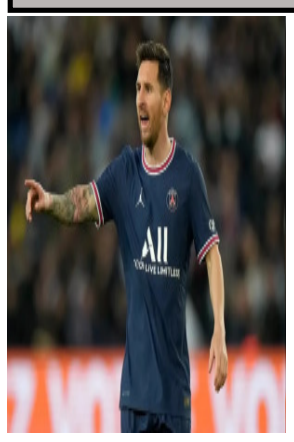

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

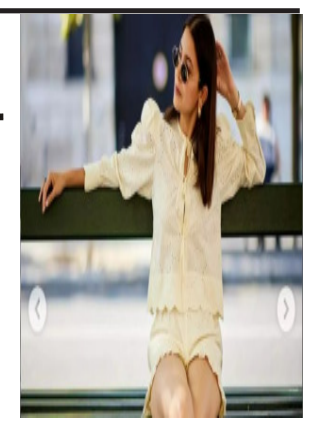

PG-8

सिनेमाः- 'अनुष्का शर्मा ने शुरू की चकदा एक्सप्रेस के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग

वर्ष -08 अंक -211 | प्रयागराज, बुधवार, 09 नवंबर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

ईडब्लूएस को जारी रहेगा 10 फीसदी आरक्षण, कांग्रेस बोली- मनमोहन सरकार में शुरू हुई थी प्रक्रिया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों (ईं) के लोगों को 10 फीसदी आरक्षण की मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिए अपने फैसले में केंद्र सरकार के प्रावधान को बरकरार रखा है। देश की सत्ताधारी पार्टी

भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की तारीफ की है। वहीं, कांग्रेस ने भी इस फैसले का स्वागत किया है कांग्रेस ने किया फैसले का स्वागत कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करती है, जिसमें संविधान के 103वें संशोधन अधिनियम को बरकरार रखा गया है।'जयराम ने कहा कि ये संशोधन 2005-06 में डॉ मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा शुरू की गई प्रक्रिया का परिणाम है, जिसने जुलाई 2010 में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। इसके बाद विचार-विमर्श किया गया और 2014 तक विधेयक तैयार हो गया। बेंच ने 3-2 से सुनाया फैसला सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय बेंच ने 3-2 के अनुपात से अपना फैसला सुनाया है। जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस जेबी पारदीवाला ने इसका समर्थन किया, जबकि जस्टिस एस रवींद्र भट और मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित ने इस मुद्दे पर असहमति जताई।जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि आर्थिक आधार पर दिया जाने वाला आरक्षण संविधान के मूल ढांचे का किसी भी रूप में उल्लंघन नहीं करता है।

कर्नाटक में 70 वर्षीय महिला से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

कलबुर्गी (कर्नाटक)। कलबुर्गी जिले के अलंद तालुक के अन्नुरु गांव में 70 वर्षीय एक महिला का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में 28 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को इस घटना की जानकारी दी। गिरफ्तार युवक संतोष बुजुर्ग महिला का पड़ोसी है। लादामुगुली गांव की रहने वाली पीड़िता अपनी पोती के साथ रहने आई थी। घर लौटने पर पोती ने आरोपी को बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट करते रंगे हाथ पकड़ लिया। पीड़िता को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने महिला का मेडिकल परीक्षण कराकर आरोपी संतोष को गिरफ्तार कर लिया। उधर, अलंद तालुक में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या की हालिया घटना ने चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने मामले का पदार्फाश करते हुए 24 घंटे के अंदर पोर्न एडिक्ट आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था।

विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ब्राजील दौरे पर, ब्रासीलिया के सिटी पार्क में महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन सात-आठ नवंबर को ब्राजील की आधिकारिक यात्रा पर हैं। राज्य मंत्री आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर ब्राजील पहुंचे हैं। विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने ब्राजील के ब्रासीलिया में सिटी पार्क में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ट्वीट किया, 'स्थानीय समुदायों के बीच गांधीवादी मूल्यों और दर्शन के प्रभाव के बारे में जानकर खुशी हुई।' विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ब्राजील की दो दिन की यात्रा पर हैं। ब्राजील में पिछले सप्ताह राष्ट्रपति चुनाव के बाद यह उनका पहला उच्च स्तरीय दौरा है। यात्रा के दौरान वे ब्राजील के उप-राट्रपति से मुलाकात करेंगे और वहां के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से भी मिलेंगे। साओ पाओलो में वे भारतीय समुदाय से मिलें। ब्रासिलिया में वे स्वागत समारोह में भाग लेंगे जिसमें ब्राजील की कांग्रेस और सीनेट के सदस्य, राजनयिक, ब्राजील सरकार और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

पूरे फ्रांस के बराबर उत्सर्जन के जिम्मेदार हैं दुनिया के 125 अरबपति

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। दुनिया के 125 सबसे अमीर लोग पैसे के मामले में ही नहीं, कार्बन उत्सर्जन के मामले में भी सबसे आगे हैं। जिन कंपनियों में इनका निवेश है, अगर उनका आकलन करें, तो इन अमीरों के

निवेश से होने वाला औसत उत्सर्जन सामान्य व्यक्ति के औसत से 10 लाख गुना है। आक्सफैम ने 'कार्बन बिलियनायरः द इन्वेस्टमेंट इमीशन आफ द वल्ड्र्स रिचेस्ट पीपुल' में दुनिया के सर्वाधिक अमीर लोगों के निवेश से होने वाले उत्सर्जन का आकलन किया है। 1.6 अरब हेक्टेयर नए वनों की आवश्यकता होगी, यदि सिर्फ पेड़ लगाकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए नीतियां बनाते समय दुनिया में हो रहे कुल उत्सर्जन में अमीरों की भूमिका पर बहुत कम ही चर्चा होती है। इसे बदलना होगा। इन अरबपतियों ने ऐसी कंपनियों में निवेश किया हुआ है, जो बड़े पैमाने पर कार्बन उत्सर्जन की जिम्मेदार हैं

62वां दिन, गुरु नानक जयंती पर राहुल गांधी ने नांदेड़ के गुरुद्वारे में टेका मत्था

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' शुरू करने से पहले नांदेड़ जिले में एक गुरुद्वारे में मत्था टेका यात्रा के सोमवार रात तेलंगाना से महाराष्ट्र में प्रवेश के बाद मंगलवार सुबह कांग्रेस सांसद ने गुरु नानक जयंती के अवसर पर गुरुद्वारा यादगारी बाबा जोरावर सिंहजी फतेह सिंहजी में मत्था टेका। पार्टी पदाधिकारी ने बताया कि पदयात्रा मंगलवार सुबह नांदेड़ जिले के बिलोली में स्थित अत्काली गुरुद्वारे से शुरू होगी। रात को राहुल गांधी की योजना बिलोली के गोदावरी मंतर चीनी मिल मैदान में रुकने की है सोमवार रात मशाल लेकर महाराष्ट्र में प्रवेश करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि नोटबंदी जैसी केन्द्र की गलत नीतियों तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को खराब तरीके से लागू करने के कारण लघु और मध्यम उद्यम/व्यापार प्रभावित हो। राहुल गांधी के नेतृत्व में 'भारत जोड़ो यात्रा' तमिलनाडु के कन्याकुमारी से सात सितंबर को शुरू हुई और आज उसका 62वां दिन है। कांग्रेस द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार, राहुल गांधी महाराष्ट्र की यात्रा के दौरान दो रैलियों को संबोधित करेंगे। पहली रैली नांदेड़ जिले में 10 नवंबर को और दूसरी रैली बुलढाणा जिले के शेगांव में 18 नवंबर को होगी। राज्य में यात्रा 15 विधानसभा और छह संसदीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगी इस दौरान 382 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी और 20 नवंबर को यह मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, चार दिन नांदेड़ जिले में पदयात्रा की जाएगी। यह यात्रा 11 नवंबर को हिंगोली जिले में, 15 नवंबर को वाशिम, 16 नवंबर को अकोला और 18 नवंबर को बुलढाणा से गुजरेगी।

'अपने लिए ताबूत तैयार रखो' आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या की जांच कर रहे अधिकारी को मिली धमकी

(आधुनिक समाचार सेवा)

पलक्कड़। केरल में आरएसएस नेता श्रीनिवासन की हत्या की जांच अभी जारी है। इसी बीच, मामले की जांच कर रहे अधिकारी को अनिल कुमार को धमकी भरा कॉल आया था। उनसे कहा गया, 'कृपया, एक ताबूत तैयार रखें।' जांच अधिकारी को धमकी मिलने के बाद पुलिस हरकत में आ गई और फौरन

जान से मारने की धमकी मिली है। जांच अधिकारी को धमकी मिलने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है 'ताबूत तैयार रखो' श्रीनिवासन की हत्या की जांच एम अनिल कुमार कर रहे हैं। समाचार एजेंसी के मुताबिक, शनिवार शाम जांच शुरू की। पुलिस कॉल करने वाली शख्स की पहचान नहीं कर सकी है। पलक्कड़ थाना में केस दर्ज कर लिया गया है गौरतलब है कि अभी तक इस मामले में इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ (पीएफआई) के 34 सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

श्री गुरु नानक देव की जयंतापर पीएम मोदी समेत कई बड़े नेताओं ने दी देशवासियों को बधाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। श्री गुरु नानक देव की जयंती मनाई जा रही है। श्री गुरु नानक देव के 553वें प्रकाश पर्व पर दिल्ली के कई गुरुद्वारों में आज भजन, कीर्तन और प्रभात फेरियां देखने को मिली। देश के

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को गुरु नानक देव की जयंती पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने ट्विटर पर गुरु देव की एक वीडियो शेयर कर लिखा, श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। एक न्यायपूर्ण और करुणामय समाज के निर्माण के हमारे प्रयासों में उनकी महान शिक्षाएँ हमारा मार्गदर्शन करती रहेंठ।इसके साथ ही पीएम मोदी ने श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की तस्वीरें भी शेयर की। तस्वीरों में पीएम मोदी को एक विशेष अरदास में शामिल होते देखा जा सकता है। आप भी देखें पीएम मोदी द्वारा शेयर की गई तस्वीरों की कुछ झलकियां इससे पहले सोमवार को गुरु नानक जयंती की पूर्व संध्या पर पीएम मोदी दिल्ली में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा के आवास पर आयोजित एक समारोह में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने इस अवसर पर शीश नवाकर गुरू देव की प्रार्थना की। बता दें कि पीएम मोदी अक्सर सिख गुरुओं से सबंधित कार्यक्रमों में शामिल होते हुए और गुरुद्वारों का दौरा करते हुए देखा गया हैं। पीएम मोदी के अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी गुरु नानक देव की जयंती के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया गुरु नानक देव जी की जयंती के पावन अवसर पर, मैं विदेशों में बसे सभी देशवासियों और भारतीयों, विशेषकर सिख समुदाय के भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई देती हूं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी गुरुपर्व के मौके पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने ट्वीट किया, सिख पंथ के संस्थापक श्री गुरुनानक देव जी के 553वें प्रकाश पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। गुरुनानक देव जी ने शांति, समानता और मानवता की सेवा के विचारों से सम्पूर्ण मानवजाति को सत्य, कर्म और करुणा का मार्ग दिखाया। उनकी शिक्षाएं सदैव हमारा दिशादर्शन करती रहेंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व मौजूदा सांसद राहुल गांधी ने भी गुरुपर्व के मौके पर देशवासियों को बधाई दी। राहुल ने ट्वीट किया, महाराष्ट्र में यात्रा की शुरुआत, गुरपुरब के शुभ अवसर पर गुरुद्वारा यादगारी बाबा जोरावर सिंह जी, फतेह सिंह जी में अरदास से की। गुरु नानक जी के प्रेम, शांति और भाईचारे की सीख को दिल से लगाकर हम भारत जोड़ने का यह संकल्प पूरा करेंगे। सभी देशवासियों को गुरपुरब की लाखों बधाइयां। हर साल कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को सिथ धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव की जयंती मनाई जाती है। इस साल 8 नवंबर को गुरु नानक देव की जंयती मनाई जा रही है।

सांसद नवनीत राणा और उनके पिता के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

मुंबई। मुंबई की एक अदालत ने फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले में सोमवार को लोकसभा सांसद नवनीत राणा और उनके पिता के खिलाफ नया गैर जमानती वारंट जारी किया है। इससे पहले, अदालत ने सितंबर में राणा और उसके पिता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था, जिस पर अमल होना बाकी है। दाखिल करने के लिए मामले को 28 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया है। मुंबई के मुलुंड पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार राणा और उसके पिता ने कथित तौर पर जाली जाति प्रमाण पत्र बनाया था क्योंकि जिस सीट से वह चुनी गई हैं वह अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2021 में अमरावती के सांसद

मामला सोमवार को सुनवाई के लिए आया तो पुलिस ने अमरावती सांसद और उनके पिता के खिलाफ वारंट जारी करने के लिए और समय मांगा। पुलिस द्वारा वारंट जारी करने के लिए मांगे गए और समय को अदालत ने खारिज कर दिया और उन्हें तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके बाद मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट पीआई मोकाशी ने दोनों के खिलाफ एक नया गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। अदालत ने वारंट पर रिपोर्ट को जारी किए गए जाति प्रमाण पत्र को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि यह फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करके प्राप्त किया गया था। बता दें कि सांसद नवनीत राणा पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के निजी आवास के बाहर हनुमान चालीसा करने की बात कहकर सुर्खियों में आईं थी। नवनीत और उनके पति को इसके बाद गिरफ्तार भी कर लिया गया था, जिन्हें बाद में जमानत पर छोड़ दिया गया था।

95 साल के हुए लालकृष्ण आडवाणी, प्रधानमंत्री मोदी व रक्षा मंत्री ने घर जाकर दीं शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी

मंगलवार को 95 साल के हो गए। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनके घर जाकर शुभकामनाएं दीं। गृहमंत्री अमित शाह समेत पार्टी के सभी नेताओं ने वरिष्ठ नेता को जन्मदिन के मौके पर शुभकामनाएं दीं हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने लाल कृष्ण आडवाणी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और अच्छे स्वास्थ्य व लंबी जिंदगी की कामना की है। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने अथक प्रयासों से आडवाणी ने देश भर में पार्टी संगठनों को मजबूत बनाया है। साथ ही देश के विकास में बेशकीमती योगदान दिया है।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने आडवाणी को प्रेरणा का स्रोत बताया है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आडवाणी ने देश, समाज व पार्टी के लिए अहम योगदान दिया। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का जन्म 8 नवंबर 1927 को हुआ था। वह भारत-पाकिस्तान के बंटवारे से पहले अविभाजित भारत के सिंध प्रांत में जन्मे थे। उनके पिता का नाम कृष्णचंद डी आडवाणी और मां का नाम ज्ञानी देवी है। उनकी शिक्षा-दीक्षा कराची के स्कूल में हुई और सिंध प्रांत के कालेज से उन्होंने अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की। देश के बंटवारे के बाद उनका परिवार मुंबई आ गया, जहां उन्होंने कानून की पढ़ाई की। मात्र 14 साल की उम्र में संघ में शामिल होने वाले आडवाणी को भारतीय जनता पार्टी का आर्किटेक्ट माना जाता है। इससे पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आडवाणी को व्यक्तिगत तौर पर उनके घर जाकर जन्मदिन की बधाई दी है। साल 2019 में भी पीएम मोदी ने आडवाणी के आवास पर जाकर शुभकामनाएं दी थीं।

शंकराचार्य बनने के बाद पहली बार प्रयागराज की धरती पर होगा ज्योतिष पीठ

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। शंकराचार्य बनने के बाद पहली बार प्रयागराज की धरती पर होगा ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती का आगमन उक्त जानकारी ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के मीडिया प्रभारी डाक्टर शैलेन्द्र योगी उर्फ योगीराज सरकार ने दी। बता दे द्वीपीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती के ब्रम्हलीन होने के बाद उनके स्थान पर शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानन्द सरस्वती व ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती को नियुक्ति किया गया ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य बनने के बाद प्रयागराज में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती का पहला नगर आगमन है पहले नगर आगमन की तैयारी जोरो पर चल रही है 8 नवम्बर दिन मंगलवार को सर्वप्रथम चाका ब्लाक स्थित राम जानकी मंदिर पर स्वागत और अभिनन्दन समारोह होगा तथा उसके बाद प्रयागराज नगर प्रवेश पर नगर की सीमा पर भव्य स्वागत किया जाएगा उक्त जानकारी ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती के मीडिया प्रभारी डा0 शैलेंद्र योगी ने दी ।

जमीन के झगड़े में युवक को पीट-पीटकर मार डाला, सात लोगों के खिलाफ मुकदमा

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। उतरांव इलाके के पौड़न गांव में मंगलवार सुबह जमीन के विवाद में एक युवक को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मार डाला गया।

उसे बचाने की कोशिश में उसके घर के तीन लोगों को भी पीटा गया। मामले में उतरांव थाने में चार को नामजद करते हुए तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। आरोपित घर छोड़कर भागे हैं, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी है। पौड़न गांव के रहने वाले रामजी भारतीय व भूषण्ड निवासी पप्पू में जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद है। मंगलवार सुबह रामजी गांव के बाहर स्थित डेयरी पर दूध देने गया था। उसी समय पप्पू कई लोगों के साथ वहां पहुंचा और जमीन को लेकर उससे हाथापाई शुरू कर दी। लोगों ने बीच बचाव किया। रामजी ने फोन कर घरवालों को जानकारी दी तो उसकी पत्नी, भाई अनिल और चचेरा भाई 23 वर्षीय विवेक कुमार उर्फ चुन्नू भारतीय मौके पर पहुंचे। यह देखते ही पप्पू पक्ष के लोगों ने विवेक को घेर लिया और उसे लाठी-डंडे से तब तक पीटा, जब तक वह अधमरा नहीं हो गया। उसके सिर पर भी कई प्रहार किए गए। बीच बचाव की कोशिश में रामजी, उसकी पत्नी व अनिल को भी चोट आई। विवेक को उसके घरवाले क्षेत्र के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां हालत नाजुक देख डाक्टरों ने स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल ले जाने को कहा। एसआरएन अस्पताल लाकर उसे भर्ती कराया गया, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। घरवालों ने बताया कि विवेक चार भाइयों में सबसे छोटा था। वह दूसरे राज्य में प्राइवेट काम करता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। दीपावली पर घर आया था। थाना प्रभारी उतरांव श्रवण कुमार का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही है। सभी घर से भागे हुए हैं। हालांकि, जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

असामयिक निधन पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सीतापुर । जो समाज व देश के लिए जीता है वह सदैव याद किया जाता है यह बात थाना प्रभारी के रूप में कमलापुर और सकरन में तैनात रहे मनीष सिंह की पावन स्मृति में आयोजित विनम्र श्रद्धांजलि सभा में शब्द पुष्प अर्पित करते हुए क्षेत्राधिकारी यादवेंद्र सिधौली ने नगर के शहीद स्मारक स्थल पर कहीं । आराध्य शुक्ल ने कहा कि शहीद मनीष सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर चन्द्रशेखर प्रजापति ने एक नयी पहल की है जिसके कारण हम सबको मनीष जैसे कर्मठ, ईमानदार पुलिसकर्मी के दायित्वों को याद करने का सुनहरा मौका मिला है । थानाध्यक्ष मनीष सिंह पुलिस कर्मियों को ईमानदारी और कर्तव्य परायणता का पाठ पढ़ा के दुनिया से कूच कर गये। अनुराग आग्नेय ने कहा कि बिंदकी फतेहपुर जिले के निवासी मनीष सिंह का सीतापुर से गहरा सम्बन्ध रहा जिसके कारण उनकीवजह पुण्य स्मृतियों में यह कार्यक्रम हो रहा है। देवेन्द्र कश्यप निडर ने कहा कि मनीष सिंह मानवता के प्रहरी रहे, मित्रता धर्म निर्वाह करने के लिए चन्द्रशेखर को धन्यवाद भी दिया। नवागत कोतवाल तेज प्रताप सिंह ने कहा कि मनीष सिंह बहुत नेक दिल इंसान थे । कार्यक्रम आयोजक चंद्रशेखर प्रजापति ने कहा कि मनीष सिंह हमारे बहुत खास सहपाठी रहे विद्यार्थी काल के दिनों से ही हमारा उनका गहरा संबंध रहा उनकी मानवीय संवेदना हमको बहुत पसंद है हमारे क्षेत्र में थाना प्रभारी का दायित्व भी निर्वहन किया यह हमारे लिए गौरव की बात रही मगर आज जब वह हमारे बीच में नहीं है तो मुझे बहुत दुख है जिसको मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता हूँ। उपजिलाधिकारी सिधौली राखी वर्मा ने भी शहीद मनीष सिंह के चित्र पर पुष्प चक्र अर्पित किया। विनोद रावत, आरडी वर्मा, शुभम गिरी, राजेंद्र पासवान, पूजा सिंह, विमल राजपूत, अनूप कुमार, अश्वनी कुमार आदि ने भी श्रद्धांजलि सभा को संबोधित किया। कैंटालिस्ट क्लासेस के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भी मृतात्मा की शान्ति के लिए दो मिनट मौन धारण किया ।इस मौके पर गंगाराम राजपूत, कमलेश त्रिपाठी, सुनील गिहार, राम औतार यादव, लवी श्रीवास्तव, मो सलमान आदि मौजूद रहे।

पाइप में गिरकर फंसे थे कुत्ते के बच्चे, दो घंटे तक मशक्कत कर बचाया दमकलकर्मियों ने

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। चौक स्थित नेहरू कांप्लेक्स की पाइप लाइन में मंगलवार शाम कुत्ते के बच्चों की आवाज दुकानदारों ने सुनी तो उन्होंने टार्च जलाकर भीतर देखा। उसमें श्वान के दो बच्चे फंसे थे। पहले तो दुकानदारों ने उनको निकालने की कोशिश की, लेकिन दोनों पाइप में बीचों-बीच फंसे थे, इसलिए दुकानदार सफल नहीं हो पाए। 6:30 बजे मुख्य अग्निशमन अधिकारी डा. आरके पांडेय, अवध नारायण, शिवमूरत यादव, इंद्रजीत यादव, रामशिव, उदय आदि पहुंचे। पाइप पर बिजली के तारों का जाल था, इसलिए रेस्क्यू टीम ने बिजली आपूर्ति बंद कराई। इसके बाद पाइप में कई जगह छेद करते हुए दोनों श्वान के बच्चों को रात लगभग आठ बजे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कुत्ते के बच्चों को बाहर निकाला गया तो उनकी हालत एकदम ठीक थी जिस पर वहां मौजूद लोग खुशी में ताली बजाने लगे। सबका कहना था कि इंसान हो या जानवर, जान तो सबकी बचानी जरूरी है। दमकल कर्मियों ने जानवर औ? इंसान में कोई भेद न करते हुए कुत्ते के बच्चों को बचाने में पूरी मेहनत की जो सराहनीय है। फायर ब्रिगेड की टीम ने कुछ महीने पहले प्रयागराज शहर के सिविल लाइंस इलाके में एक मकान के पुराने कुएं में गिरे बिल्ली के दो बच्चों को भी कई घंटे की मशक्कत के बाद बचाया था। कुएं में उतरने पर गैस से दम घुटने का खतरा था। किसी तरह से दमकल की टीम ने बिल्ली के बच्चों को रेस्क्यू किया जिसकी काफी तारीफ हुई थी।

क्राइम पेट्रोल देख अपने क़द के व्यक्ति को मारने वाला आरोपी मुठभेड़ में घायल

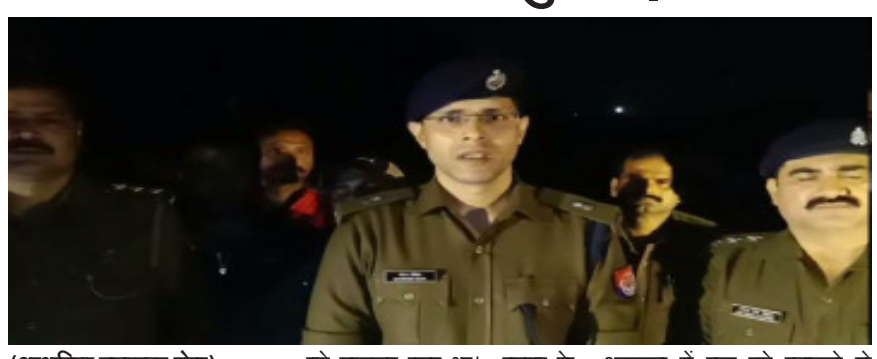

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। पुलिस ने सोमवार देर रात करछना में मुठभेड़ के बाद एक हत्या के आरोपी को गिरफ़्तार किया है। उसके कब्जे से अवैध तमंचा, कारतूस और स्कूटी बरामद किया गया। आरोपी की पहचान मोहम्मद फ़िरोज़ के रूप में हुई है। एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने बताया की करछना में 17 अक्टूबर को युवक की सिर कटी लाश मिली थी। मृतक की पहचान छिपाने के लिए उसके अंगों को काटकर धड़ को जलाया गया था। मृतक के कपड़ों से प्लेटफॉर्म टिकट मिला था जो बक्सर रेलवे स्टेशन से खरीदा गया था। उसकी पहचान बिहार के बक्सर निवासी सूरज गुप्ता के रूप में हुई थी। एसपी के अनुसार आरोपी एक कुख्यात अपराधी है और अपनों ऊपर हुए मुक़दमों को लड़ने के लिए उसको पैसों की ज़रूरत थी। उसने इसी बीच क्राइम सम्बंधी टीवी शो देखे थे। इसमें दिखाया गया था की कैसे अपने क़द और उम्र के आदमी को मारकर अदालत में चल रहे मुकदमे से छुटकारा पाया था। इससे प्रेरित होकर उसने अपने दो साथियों के साथ अपने क़द और उम्र के सूरज गुप्ता की हत्या कर दी। सोमवार देर रात पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम को आरोपी के ठिकाने के बारे में पता चला। जब पुलिस वहां पहुंची तो उसने उन पर फायरिंग कर दी। जवाबी फ़ायरिंग में आरोपी घायल हो गया। उसको सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

वाहन की चपेट में आने से बंदर की मौत, संगम घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। सुबह हीवेट रोड पर चमेलीबाई धर्मशाला के समीप सुबह करीब साढ़े आठ बजे दो-तीन बंदर आती जाती गाड़ियों से अपने को बचाते हुए सड़क पार कर रहे थे तभी एक बंदर तिपहिया वाहन की चपेट में आ गया। वाहन के पहिए से कुचलने पर उसकी मौत हो गई। दो-चार मिनट ही बीते थे कि वहां बंदरों का झुंड आ गया। बीच सड़क पड़े शव को घेर कर बंदर बैठ गए। आसपास के लोग आ गए।नगर निगम को सूचना देने के बाद क्षेत्र के नामित पार्षद अनूप मिश्रा को बुलाया गया। लोगों का जमघट लगने के बाद बंदरों के झुंड को वहां से हटाया गया। मंगलवार है। हनुमान जी को स्मरण करने का दिन है। इसके बाद गाजे-बाजे के साथ उसकी अंतिम यात्रा निकाली गई। शहर के तमाम रास्तों से होते हुए शव यात्रा संगम तट पर पहुंची। वहां वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अंतिम संस्कार किया।

छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के पूर्व अध्यक्ष की धर्मपत्नी के निधन पर शोक संवेदना

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़। संस्कृत के उद्भट विद्वान रायपुर गौरी,रायबरेली निवासी प्रो0डॉ0शिव वरण शुक्ल अध्यक्ष छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की धर्मपत्नी लतिका शुक्ला (65 वर्ष) के निधन पर साहित्यकारों एवं शिक्षकों ने हार्दिक शोक संवेदना प्रकट की है। समाज सेविका लतिका शुक्ला के निधन को सुनकर वीर रस के सुप्रसिद्ध कवि डॉ0रणजीत सिंह एवं अजय सोनी उनके आवास पर पहुँचकर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किये। साथ ही सोनभद्र से प्रद्युम्न त्रिपाठी, प्रयागराज से वीरेंद्र सिंह कुसुमाकर,भदोही से संदीप कुमार बालाजी,जौनपुर से बेहोश जौनपुरी एवं अरुण कुमार यादव प्रयास,कानपुर से डॉ0अंजना कुमार,अमेठी से रामबदन शुक्ल पथिक,राजेंद्र शुक्ल अमरेश, विनय कुमार पाण्डेय अजय,प्रतापगढ़ से जया मिश्रा आदि कवयित्री/कवियों ने अपनी हार्दिक शोक संवेदना प्रकट की है इसके अलावा मदन मोहन मालवीय पीजी महाविद्यालय कालाकाँकर की हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ0इंदु रेखा सिंह एवं प्राचार्य डॉ0शिवम श्रीवास्तव व आर पी एस महाविद्यालय मान्धाता के प्राचार्य डॉ0अजय कुमार श्रीवास्तव एवं ओम बूढेश्वर नाथ आरएसबीएस महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य आर0डी0यादव आदि ने उस लोकप्रिय समाज सेविका को अपनी हार्दिक शोक संवेदना प्रकट करते हुए श्रद्धांजलि दी है।

प्रयागराज में सिर काटकर हत्या के बाद फिरोज ने मुंडवा लिया था सिर और पहन ली थी रुद्राक्ष की माला

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। बिहार में बक्सर निवासी सूरज गुप्ता की निर्मम हत्या करने के बाद मुख्य आरोपित फिरोज अहमद ने अपनी दाढ़ी कटवाई और सिर मुंडवा लिया। गले में रुद्राक्ष की दो माला पहनकर खानाबदोश की तरह घूमने लगा था। ऐसा उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए किया था, ताकि पुलिस की गिरफ्त से दूर रहे। सोमवार रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान पचदेवरा करछना निवासी फिरोज के पैर में गोली लगी थी। हालांकि उसकी निशानदेही पर सूरज का कटा हुआ सिर अभी बरामद नहीं हो पाया है। हत्या में शामिल रहा शमशेर अली लूट के मुकदमे में जेल चला गया था, जिसका पुलिस रिमांड बनवाएगी। साथ ही फरार अभियुक्त शिवबाबू पासी की तलाश चल रही है। मंगलवार शाम पुलिस लाइन में एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय ने हत्याकांड का पर्दाफाश करते हुए जानकारी दी। बताया कि फिरोज अहमद पर काफी कर्ज था। उसने लोन पर बस भी खरीदा था। विभिन्न थानों में 26 मुकदमे दर्ज हैं। कुछ साल पहले वह जेल में बंद था, तभी टीवी सीरियल देखकर योजना बनाई कि किसी की हत्या करके खुद को मरा साबित कर देगा। इसके बाद दूसरी जगह जाकर नाम व भेष बदलकर अपराध करेगा। इसी योजना के तहत उसने 16 अक्टूबर को छिवकी रेलवे स्टेशन पर अपनी कदकाठी के बिहार निवासी सूरज को पाया। सूरज को अपनी बातों में फंसाकर साथ ले गया। नया कपड़ा दिलवाया और साथ बैठकर शराब पी। फिर साथियों संग शमशेर के ढाबे पर ले जाकर गला, गुप्तांग काटकर हत्या कर दी। शव को जलाया और अपना ड्राइविंग लाइसेंस छोड़ दिया, ताकि मृतक के रूप में फिरोज की पहचान हो सके। हालांकि घटना के बाद एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित, करछना सीओ अजीत सिंह चौहान, इंस्पेक्टर विश्वजीत सिंह ने घटना से जुड़ी जानकारी जुटाई और फिरोज के घर से खून लगा कपड़ा समेत अन्य सामान बरामद किया। साक्ष्य छिपाने के आरोप में फिरोज की बीवी को पहले ही जेल भेज दिया गया था। सोमवार रात पुलिस टीम ने मुठभेड़ में फिरोज को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस, स्कूटी बरामद की गई।

बलिया मे रोडवेज बस और कार में भीषण टक्कर मे देवरिया के एक व्यक्ति की मौत 4 गम्भीर रूप से घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)

बलिया। जिले के सिकन्दरपुर-बेल्थरा मार्ग पर स्थित सिकन्दरपुर थाना क्षेत्र के तिलौली गांव के पास

मंगलवार की अहले सुबह करीब चार बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति को मौत हो गई। वहीं चार अन्य गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया, जहाँ से सभी को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। देवरिया जनपद के बनकटा थाना क्षेत्र के भोड़वार से खेजुरी थाना क्षेत्र के खेजुरी गांव बारात आयी थी। बारात में आये पांच लोग कार (यूके 07 न् 6999) से वापस घर जा रहे थे। अभी वे तिलौली गांव के सामने पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही बेल्थरारोड डिपो की बस से टकरा गई। टक्कर इतनी भयानक थी आस पास के लोगों की नींद खुल गई। मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर सदलबल के साथ पहुंचे एसएचओ योगेश यादव ने सभी घायलों को अपनी गाड़ी से सीएचसी सिकन्दरपुर पहुंचाया, जहां के चिकित्सकों ने फागू प्रसाद (70) पुत्र अलगू राम निवासी असांव थाना बनकटा जनपद देवरिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं गम्भीर रूप से घायल अर्जुन (30) पुत्र अज्ञात निवासी असांव, नितेश गुप्ता पुत्र (32) पुत्र मनोज व अमित गुप्ता (28) पुत्र अरुण गुप्ता निवासीगण भोइवार तथा पंकज (16) पुत्र कमलेश निवासी बनकटा देवरिया का प्राथमिक उपचार कर उनको बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

गाजीपुर जेल से रिहा होते ही मुख्तार अंसारी के साले को हिरासत में ले ली ईडी

(आधुनिक समाचार सेवा)

गाजीपुर। जिला जेल में बंद मुख्तार अंसारी के साले सरजील रजा उर्फ आतिफ के सोमवार की रात जेल

से रिहा होते ही प्रयागराज से पहुंची ईडी की टीम ने हिरासत में ले लिया। वङ्का वाहन और स्थानीय पुलिस की सुरक्षा में उसे लेकर ईडी की टीम प्रयागराज चली गई। इस दौरान जेल गेट के पास भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रही। करीब दो सप्ताह पूर्व ही प्रयागराज ईडी की टीम जिला जेल में बंद मुख्तार अंसारी के साले सरजील रजा उर्फ आतिफ एवं अनवर शहजाद से पूछताछ करने के लिए दो दिनों तक जिले में डटी रही थी। सोमवार को आतिफ के जमानत से जुड़े सभी दस्तावेज कोर्ट के माध्यम से जेल प्रशासन को प्राप्त हो गया था। शाम करीब सात बजे रिहाई होने वाला था। तभी अचानक प्रयागराज ईडी की टीम जेल गेट पर धमक गई। टीम ने जेल प्रशासन से मोबाइल पर संपर्क साधा और आतिफ की जमानत से जुड़ी सभी जानकारियों के बारे में पूछा। ईडी के पहुंचते ही संबंधितों में खलबली मच गई।आतिफ की पत्नी भी अपने बच्चे के साथ जिला जेलपहुंची थी, लेकिन वहां पहले से तैनात ईडी को देखकर सहम गई।

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर कुत्ते को बचाने में कार खाई में गिरी, मां-बेटे की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

आजमगढ़ । पवई थाना क्षेत्र के हमीरपुर गांव के पास पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर सोमवार देर शाम

कुत्ते को बचाने के चक्कर में कार खाई में गिर गई।हादसे में मां-बेटे की मौके पर मौत हो गई, जबकि चालक समेत चार लोग घायल हो गए घायलों को पुलिस सामुदायिक स्वास्थ केंद्र पवई लाया गया जहां से डाक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। उसके बाद सभी को मंडलीय जिला चिकित्सालय ले जाया गया, लेकिन वहां से भी रेफर कर दिया गया। बिहार प्रांत के वैशाली जिले के भगवानपुर थाना क्षेत्र के हाजीपुर गांव निवासी मो. रऊफ अपनी पत्नी शहाना, पुत्र मो. अनस व अशद, पुत्री आशिया परवीन के साथ अपने घर से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे होते वैगन आर से दिल्ली जा रहे थे।वाहन को दिल्ली के संगमविहार निवासी इमरान चला रहे थे। जैसे ही उनकी कार हमीरपुर गांव के समीप पहुंची कि एक कुत्ता सड़क पर आ गया। उसे बचाने के चक्कर में तीव्र गति से चल रही कार अनियंत्रित हो कर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के बाईं तरफ का डिवाइडर तोड़ते हुए नीचे खाई में गिर गई, जिसमें मो. रऊफ की पत्नी शहाना और पुत्र अनस की मौके पर मौत हो गई, जबकि चालक समेत परिवार के सारे सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पवई थानाध्यक्ष राम प्रसाद बिंद व धर्मेंद्र कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दो ने दम तोड़ दिया था।

प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में रेलवे पास,एनएचएआई फेल

(आधुनिक समाचार सेवा)

गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट ताड़ीघाट-मऊ नई रेल परियोजना के प्रथम फेज में सोनवल से सिटी रेलवे स्टेशन तक रेल लाइन बिछाने का कार्य अब अंतिम चरण में चल रहा है। गंगा में बन रहा रेल सह रोड ब्रिज भी करीब 95 फीसद बन गया है,

लेकिन अभी तक रेल पुल के ऊपर बन रहे सड़क पुल को जोड़ने के लिए सड़क का निर्माण शुरू भी नहीं हो सका है। रेलवे और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) की खींचतान में अबतक कार्य अटका हुआ है जबकि दोनों का एक साथ निर्माण होना था। 14 नवंबर वर्ष 2016 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 51 किमी लंबे ताड़ीघाट-मऊ नई रेल लाइन परियोजना की आधारशीला रखी थी। यह कार्य दो चरण में हो रहा है। प्रथम चरण में सोनवल से सिटी रेलवे स्टेशन तक कार्य अब अंतिम चरण में चल रहा है। इसी में गंगा नदी पर रेल सह सड़क पुल भी है। रेल व इसके ऊपर बन रहे सड़क पुल का कार्य भी एक साथ ही हो रहा है, जो 95 फीसद पूर्ण हो गया है। इसके आगे की रेल लाइन बिछाने का कार्य दो शिफ्ट में 24 घंटे चल रहा है। कार्यदायी संस्था आरवीएनएल का लक्ष्य है कि मार्च तक इस पर ट्रेन को दौड़ा दी जाए, लेकिन सड़क का निर्माण कार्य अभी शुरू भी नहीं हो सका है, जिसे एनएचएआइ वाराणसी को कराना है। मार्च में इस रूट पर ट्रेन तो दौड़ने लगेगी, लेकिन रेल के ऊपर बना सड़क पुल शोपीस बना रहेगा। इसको लेकर पहले से ही रेलवे और एनएचएआइ में खींचतान चलता रहा। आरवीएनएल की मानें तो करीब साढ़े पांच वर्ष बाद वह इसके लिए तैयार हुए। वहीं, एनएचएआइ का कहना है कि पहले सड़क का निर्माण भी रेलवे को ही कराना था। करीब पांच-छह माह पहले उन्होंने निर्णय लिया कि इसे एनएचएआइ कराएगा। पहले इसे रेलवे को कराना था, बाद में करीब पांच-छह महीने पहले उन्होंने निर्णय लिया कि सड़क का निर्माण एनएचएआइ करेगी। हम शीघ्र ही इसका टेंडर निकालने वाले हैं और कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। हम लोग सिर्फ रेल पुल और ट्रैक बना रहे हैं। एनएचएआइ सड़क कब बनाएंगी, इसकी जानकारी नहीं है। रेल पुल के ऊपर बन रहे सड़क पुल की ढलाई पूरी हो गई है।

कानरा महाविद्यालय में छात्र गुटों की बढ़ी सक्रियता से छात्रों में मचा बवाल, चले ईंट- पत्थर

(आधुनिक समाचार सेवा)

भदोही। काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश का कार्य अभी चल रहा है तो इसी के साथ छात्रसंघ चुनाव को लेकर भी

छात्र नेताओं ने तैयारी शुरू कर दी है। छात्र गुटों की बढ़ी सक्रियता से विवाद भी उत्पन्न होने लगे हैं। सोमवार को छात्रों के दो गुटों के बीच हुई मारपीट के दौरान एक छात्र की पिटाई करने से आक्रोशित दूसरे गुट के छात्रों ने जमकर बवाल काटा। इससे महाविद्यालय परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस को देख बवाल करने वाले छात्र भाग खड़े हुए। महाविद्यालय में सोमवार को प्रवेश कार्य चल रहा था। इसी बीच किसी बात को लेकर दो गुटों में विवाद शुरू हो गया। लक्ष्मी यादव नामक एक छात्र की पिटाई कर दी गई। इसके बाद छात्रों ने महाविद्यालय प्रशासन पर बाहरी व्यक्तियों को परिसर में प्रवेश देने का आरोप लगाते हुए बवाल करना शुरू कर दिया। आक्रोशित छात्रों ने कई कुर्सियों को तोड़ डाला तो जमकर नारेबाजी की। शीतल पाल तिराहा से लेकर कालेज परिसर में उग्र छात्र हाथ में टूटी कुर्सी का हत्था और ईंट लेकर प्रदर्शन करते रहे। मुख्य गेट बंद करने के बाद परिसर में लगाए गए पोस्टर-बैनर को क्षतिग्रस्त करने लगे। जानकारी मिलते ही एसएचओ सुशील त्रिपाठी मयफोर्स मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देख बवाल कर रहे छात्र भाग खड़े हुए। प्राचार्य डा. पीएन डोंगरे का कहना रहा कि छात्रों ने बवाल किया था। इस दौरान छह कुर्सियां भी तोड़ दी गई हैं। कोतवाली पुलिस को पूरी घटना से अवगत कराया गया है।

भारत को विश्वकप जिताने के लिए सूर्यकुमार यादव की मां ने मांगी है यह मन्नत

(आधुनिक समाचार सेवा)

गाजीपुर। टी-20 के शीर्ष बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव इन दिनों वर्ल्ड कप में अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से धूम मचाए हुए हैं और वह इस विश्वकप में दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उत्तर में गाजीपुर जिले के हथौड़ा गांव निवासी सूर्यकुमार के घर पर इन दिनों सिर्फ मनौतियों और पूजा के साथ ही धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चल रहा है। सबकी एक ही कामना है कि भारत टी- 20 का विश्वकप जीते और सूर्यकुमार का बल्ला विरोधी टीम के छक्के छुड़ा दे। बल्ले की चमक से पूरी दुनिया को चकाचौंध करने वाले भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव की मां स्वप्ना देवी ने टी- 20 क्रिकेट का विश्वकप भारत को जीतने के लिए छठपर्व पर मन्नत मांगी है। टी-20 क्रिकेट में पिछले वर्ष मार्च महीने में अपने चयन के बाद सूर्यकुमार ने अपने विस्फोटक अंदाज भरे बल्लेबाजी से दुनियाभर के क्रिकेट प्रसंशकों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। सूर्यकुमार की मां स्वप्ना देवी ने सात वर्ष पूर्व हथौड़ा गांव से अपने बेटे को भारतीय टीम में चयन का सपना लेकर छठपर्व का व्रत पूजन शुरू किया था। आइपीएल में मुम्बई की टीम की ओर से धुआंधार बैटिंग कर अपने लाडले

को परवान चढ़ते देख मां स्वप्ना देवी का सपना पूरा होने लगा और सूर्यकुमार यादव भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे और टी-20 टीम में चयनित हो गए। इस साल स्वप्ना देवी अपने अन्य बहुओं के साथ मुंबई में छठपूजा में अपने बेटे की ख्याति में चार चांद और भारतीय टीम को विश्वकप जितने का वरदान मांग सूर्या की मां बड़े ही विधि विधान और धार्मिक अन्दाज में छठपर्व मनाती रही हैं। इस साल सूर्या की पत्नी देविशा के ऑस्ट्रेलिया में रहने के कारण दूसरी बहू सोनी और बेटी डिनल के साथ मुम्बई छठपूजन का पर्व मनाया। चार दिवसीय छठपर्व में प्रतिदिन सूर्यकुमार अपनी मां से वीडियो कॉलिंग पर बात करते रहे सूर्यकुमार के चाचा राजकपूर ने बताया कि सूर्या का घरेलू नाम आकाश होने से उसे अपने नाम के अनुसार आकाश में चमक बिखेरने में खूब आनंद आता है। सूर्यकुमार भी अपने माता -पिता की तरह धार्मिक हैं और ईश्वर में आस्था रखने करने के कारण चार दिवसीय छठपर्व के दौरान चाहे जहां रहे हमेशा सात्विकता और सुद्धता का पूरा ध्यान रखते हैं।

गाजीपुर में हजारों रुपये कीमत के रेलवे टिकट संग आरपीएफ ने चार दलालों को पकड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)

गाजीपुर। दानापुर मंडल आरपीएफ की सीआईबी व स्थानीय आरपीएफ की टीम ने सोमवार को दरौली व जमानियां रेलवे स्टेशन पर छापेमारी कर 26 हजार 160 रुपए कीमत

के पांच तत्काल टिकट के साथ चार दलालों को पकड़ा। इनके पास से दो मोबाइल व 9150 रुपया नगदी भी बरामद हुआ। लेकिन, मौके से एक दलाल फरार हो गया। आरपीएफ ने रेलवे की विभिन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर चारों दलालों को रेलवे मजिस्ट्रेट डीडीयू न्यायालय भेजा जहां से सभी जेल भेज दिए गए। आरपीएफ निरीक्षक बाल गंगाधर ने बताया कि दरौली व जमानियां रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर पर विभिन्न नामों से तत्काल टिकट बनवाकर अधिक दाम में बेचने वाला गिरोह कार्य करने की सूचना कई दिनों से मिल रही थी। तत्काल टिकट के कार्य मे लगे दलालों को पकड़ने के लिए टीम लगी हुई थी। सोमवार को सीआईबी दानापुर टीम के निरीक्षक पीके बरनवाल संग टीम ने पहले दरौली स्टेशन के आरक्षण काउंटर पर छापेमारी की तो मौके से दिलदारनगर गांव निवासी अंकित राय व सराफत अहमद को दो तत्काल टिकट के साथ पकड़ा। जबकि एक अभियुक्त कुसी गांव निवासी सफउल्लाह खां फरार हो गया। जमानियां रेलवे स्टेशन के आरक्षण काउंटर पर छापेमारी के दौरान जमानियां कस्बा के वार्ड 12 निवासी प्रह्लाद कुमार व चंदौली जनपद के धीना थाना क्षेत्र के ढेड़गांवा निवासी चित्रसेन सिंह को पकड़ा गया। चारों अभियुक्तों के खिलाफ रेलवे एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर पीडीडीयू रेलवे मजिस्ट्रेट न्यायलय भेजा गया जहां से चारों जेल भेज दिए गए।

सीधे प्रवेश
100% Placement
15% Fee Concession
नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)
(पहले आओ पहले पाओ)
❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर
❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।
➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा)
➢ डेटा इंट्री आपरेटर
➢ फायर सेफ्टी
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग
➢ इलेक्ट्रीशियन
➢ सीएनसी प्रोग्रामिगं
➢ इलेक्टिक मैकैनिक
फिटर
वेल्डर
सीसीए
रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
सिक्योरिटी सर्विस
बेसिक कम्प्युटर
कम्प्युटर हाडवेयर
Apply Online: www.nainitti.com
Mail us at – info@nainitti.com
प्रवेश हेल्पलाइन नं0
8081180306 , 9415608710 , 8103021873
⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

चैंपियंग लीग के प्री-क्वार्टर फाइनल में लिवरपुल से रीयल मैड्रिड का जबकि पीएसजी का सामना बायर्न म्यूनिख के साथ

नियोन। चैंपियंस लीग के प्री-क्वार्टरफाइनल में एकबार फिर 2022 की फाइनल की तरह लिवरपुल और रीयल मैड्रिड के बीच मुकाबला होगा। वहीं, पेरिस सेंट जर्मेन का मुकाबला जर्मनी की चैंपियन टीम बायर्न म्यूनिख के साथ होगा। मई में हुए रोमांचक फाइनल मुकाबले में मैड्रिड ने लिवरपुल को अंतिम क्षणों में हुए गोल की बदौलत 1-0 से हराया था। स्विटजरलैंड के नियोन में सोमवार को निकाले गए ड्रा में दोनों टीमों का नाम आया। दोनों टीम के बीच में 2017-18 में भी चैंपियंस लीग का फाइनल मुकाबला हुआ था, जिसे रीयल मैड्रिड ने ही जीता था। चैंपियंस लीग में आपस हुए पिछले छह मुकाबलों में लिवरपुल एक बार भी रीयल मैड्रिड को नहीं हरा सका है। पांच मैच को रीयल मैड्रिड ने जीत लिया, वहीं एक ड्रा रहा था। इनमें दो फाइनल भी शामिल हैं। बायर्न म्यूनिख और पीएसजी का भी इस चरण में मुकाबला होगा। पीएसजी के स्टार फुटबालर लियोन मेसी के पास बार्सिलोना में रहते हुए जीती चार ट्राफियों की संख्या को बढ़ाने का भी यह आखिरी मौका होगा। इंग्लिश प्रीमियर लीग की शीर्ष टीमें टाटनहम और चेल्सी के सामने अपने ग्रुप में विजेता रहने के बावजूद कड़ी चुनौती होगी। टाटनहम का मुकाबला जहां एसी मिलान से तो चेल्सी का मुकाबला डार्टमंड से होगा। ईपीएल की चैंपियन मैनचेस्टर सिटी जो कि ग्रुप चरण में एक भी मुकाबले नहीं हारी थे, का मुकाबला जर्मनी के क्लब आरबी लीपजिग से होगा प्रशंसकों को सत्र के अगले चरण के लिए प्रतीक्षा करनी होगी, पहले लेग के मुकाबले 14-15 फरवरी और 21-22 फरवरी को होंगे। वहीं, वापसी लेग के मुकाबले 7-8 मार्च और 14-15 मार्च को होंगे। प्रीक्वार्टर फाइनल का ड्रा : आरबी लीपजिग बनाम मैनचेस्टर सिटी ब्रुगे बनाम बेनफिसा लिवरपुल बनाम रीयल मैड्रिड एसी मिलान बनाम टाटनहम फ्रैंक्फर्ट बनाम नैपोली डार्टमंड बनाम चेल्सी इंटर मिलान बनाम पोर्टो पेरिस सेंट जर्मेन बनाम बायर्न म्यूनिख।

मैच से पहले क्या सहमे हुए हैं जॉस बटलर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 विश्व कप का दूसरा सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच एडिलेड में खेला जाएगा। इसके लिए दोनों टीमें अपनी रणनीति बनाने में जुट गई हैं। वहीं इंग्लैंड के कप्तान मैच से पहले थोड़े सहमे से नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि, रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ज्यादा फ्री होकर खेल रही है। संडे टाइम्स से बात करते हुए कहा, ङ्कपिछले साल विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद से रोहित की कप्तानी में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। भारत ने टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत एक शानदार टीम है और रोहित शर्मा एक शानदार कप्तान हैं, जिन्होंने मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को अधिक सकारात्मक और अधिक स्वतंत्रता के साथ खेलने के लिए कहा है।ङ्कआइपीएल के दिनों को याद करते हुए बटलर ने कहा कि ङ्क2016 में मैंने मुंबई इंडियंस के लिए आइपीएल में अपना डेब्यू किया था। हालांकि, 2017 के बाद राजस्थान रॉयल्स में शामिल हो गया। रोहित इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं, क्योंकि उन्होंने मुंबई को पांच खिताब दिलाया है। वह एक चतुर कप्तान हैं।शांत रहता है। आइपीएल के दिनों को याद करते हुए बटलर ने कहा कि ङ्क2016 में मैंने मुंबई इंडियंस के लिए आइपीएल में अपना डेब्यू किया था। हालांकि, 2017 के बाद राजस्थान रॉयल्स में शामिल हो गया। रोहित इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं, क्योंकि उन्होंने मुंबई को पांच खिताब दिलाया है। वह एक चतुर कप्तान हैं।शांत रहता है।

कोच और कप्तान ने क्यों गेंदबाजों के लिए कर दी बिजनेस क्लास की सीट कुर्बान वजह जान कहेंगे टीम हो तो ऐसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में टीम इंडिया का सामना इंग्लैंड की टीम से होने वाला है। यह मैच एडिलेड क्रिकेट क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। इस नॉक आउट मैच में टीम इंडिया के हो तो ऐसी। इंडियन एक्सप्रेस के हवाले से कहा गया है कि कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने अपनी बिजनेस क्लास की सीट मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार और हार्दिक पांड्या को दे दी अनुसार हर टीम को केवल 4 बिजनेस क्लास सीट ही दी जाती है, ऐसे में टीम इन चार सीट को साधारण तौर पर कोच, कप्तान, उप-कप्तान और टीम के मैनेजर को दे देते हैं, लेकिन टीम इंडिया ने अपने गेंदबाजों के लिए एक

गेंदबाज अपनी पूरी ताकत झौंक सके इसके लिए टीम इंडिया का हर सदस्य अलग-अलग तरीके से उनकी मदद कर रहा है, जिससे वह 10 नवंबर को होने वाले इस मैच में अपना बेस्ट दे सकें। इसी क्रम में टीम के हेड कोच, कप्तान और कुछ सीनियर खिलाड़ियों ने ऐसा कुछ किया है जिसके बाद आप कह उठेंगे, टीम जिससे वह बिना किसी परेशानी के आराम से यात्रा कर सकें। ट्रेवल के दौरान गेंदबाजों को पीठ की अकड़न और क्रेंप जैसी समस्या से दो-चार होना पड़ता है। गेंदबाजों के सामने ऐसी समस्या न हो और मैदान पर वह पूरी तरह से अपना 100 प्रतिशत दे सकें, इसके लिए कोच और कप्तान ने यह कदम उठाया।आइसीसी के नियम के मिसाल पेश की है। अब तक हुए मैचों की बात करें तो टीम इंडिया के बल्लेबाज को प्रदर्शन शानदार रहा है। अर्शदीप सिंह और मोहम्मद शमी को छोड़ दिया जाए तो हार्दिक और स्पिन गेंदबाजों ने प्रतिभा के अनुसार गेंदबाजी नहीं की है। इंग्लैंड की बल्लेबाजी स्टाइल को देखते हुए टीम के गेंदबाजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है।

राशिफल

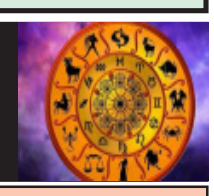

मेष-: आपका रूखा व्यवहार आपके जीवनसाथी का मूड खराब कर सकता है. आपको समझना चाहिए कि अनादर और किसी को गंभीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है।

वृष-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। पैसों से जुड़े काम पूरे हो सकते हैं। आप अपने सामाजिक दायरे को बढ़ाने में सफल रहेंगे। किसी मित्र से कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मिथुन-: आज आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही आपको फायदा होगा. आज कोई नया गठबंधन, अनुबंध और समझौता हो सकता है। आप काम को बहुत गंभीरता और गंभीरता से पूरा करेंगे।

कर्क-: चोट से बचने के लिए सावधानी से बैठें। वहीं, सही तरीके से कमर सीधी करके बैठने से न सिर्फ पर्सनालिटी में निखार आता है, बल्कि सेहत और आत्मविश्वास का स्तर भी बढ़ता है।

सिंह-: आज आपका ध्यान रचनात्मक कार्यों की ओर रहेगा, ऑफिस के महत्वपूर्ण कार्यों में आप व्यस्त रहेंगे. आज आपकी बातों का असर दूसरे लोगों पर भी पड़ेगा।

कन्या-: परिवार से आपको भरपूर सहयोग और स्नेह मिलेगा, काम में आ रही बाधाएं दूर होंगी. कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में लाभ के योग हैं।

तुला-: मानसिक स्पष्टता के लिए भ्रम और निराशा से बचने की कोशिश करें. आपकी अवास्तविक योजनाएं आपके पैसे को खत्म कर सकती हैं।

वृश्चिक-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। परेशान लोगों को मनाने का आज एक अच्छा मौका है। दोस्तों आज कहीं पिकनिक पर जाने का प्लान बना सकते हैं।

धनु-: पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए आज का समय बहुत अच्छा है अगर आप मन लगाकर पढ़ाई करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी. आप में से कुछ लोग आज रिश्तेदारों या दोस्तों के साथ अच्छा दिन बिताएंगे।

मकर-: ऐसे लोगों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों के लिए अपने घर और स्वास्थ्य का त्याग करते हैं और केवल अपनी महत्वाकांक्षाओं के पीछे भागते हैं।

कुंभ-: आज आपकी दिनचर्या में जरूरी बदलाव हो सकते हैं. कोई करीबी आपसे मिलने घर आ सकता है, मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन अच्छा है।

मीन-: आज के दिन रिश्तों में मधुरता बढ़ाने के लिए आप अचानक घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं. जो आपके लिए काफी रोमांटिक रहेगा। आज आप आर्थिक योजना बना पाएंगे।

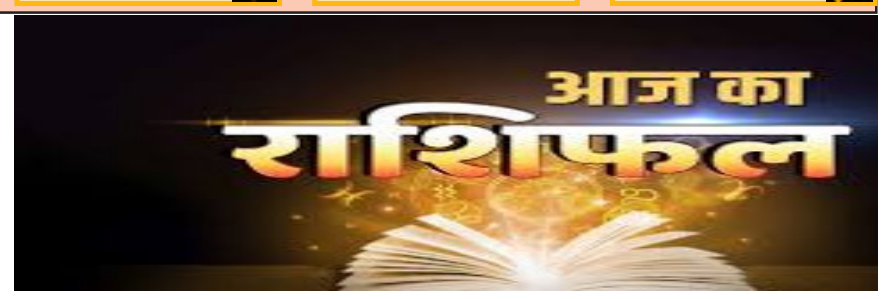

गिरते-पड़ते सेमीफाइनल में पहुंची पाकिस्तान टीम की जागी उम्मीद, कहीं कर न दे 1992 रिपीट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एक वक्त था जब टी20 वर्ल्ड कप 2022 में पाकिस्तान टीम का सफर लगभग खत्म हो गया था लेकिन थैंक्स टू नीदरलैंड जिसने रविवार की सुबह ऐसा कारनामा किया जिससे न केवल पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई बल्कि अब तो उसकी फाइनल जीतने की भी उम्मीद जाग गई है। इसके लिए पूर्व खिलाड़ी, पाकिस्तान टीम को 1992 वनडे वर्ल्ड कप की याद पर न्यूज़ीलैंड से भिड़ेगी। इंजमाम उल-हक ने इस पाकिस्तान टीम की तुलना 1992 से की है और कहा है कि सेमीफाइनल और फाइनल में पाकिस्तान का प्रदर्शन, सुपर-12 से बेहतर होगा। इस बार ऑस्ट्रेलिया में पाकिस्तान बॉटम से टॉप तक पहुंची है। 1992 में भी पाकिस्तान की टीम ने इमरान खान की कप्तानी में कुछ ऐसा ही किया था। सुपर-12 राउंड में पाकिस्तान की टीम को अपने शुरुआती दोनों मैच गंवाने पड़े थे।

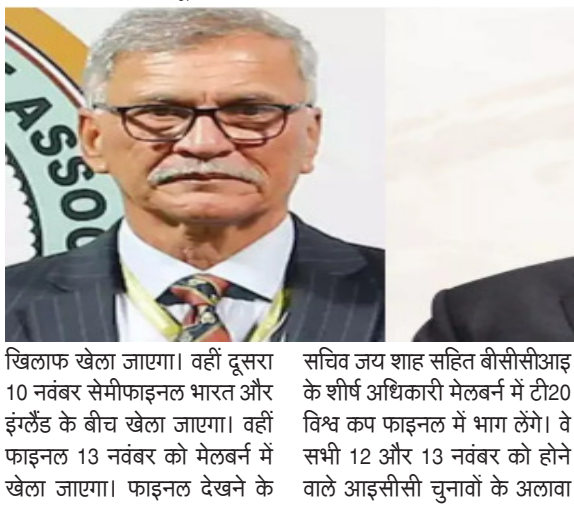

दिला रहे हैं जहां स्थिति कमोबेश कुछ ऐसी ही थी। पाकिस्तान ने एकमात्र वनडे वर्ल्ड कप 1992 में जीता था और तब भी संयोगवश सेमीफाइनल में उसके सामने न्यूजीलैंड की टीम थी। ऑकलैंड में खेले गए इस मैच में पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस मैच में इंजमाम उल-हक ने 60 रन की मैच जिताऊ पारी खेली थी। इस बार भी टीम 9 नवंबर को सेमीफाइनल में सिडनी के मैदान भारत के खिलाफ पाकिस्तान को 4 विकेट से जबकि जिम्बाब्वे के खिलाफ 1 रन से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन उसके बाद उसने नीदरलैंड, साउथ अफ्रीका और आखिर में बांग्लादेश की टीम को हराया। लेकिन सही मायनों में सेमीफाइनल में उनकी जगह बनाई नीदरलैंड की जीत ने जिसने टी20 वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए साउथ अफ्रीका के खिलाफ 13 रन से जीत दर्ज की।

हरभजन ने पकड़ी ली अश्विन की ये हरकत ट्वीट कर लिए मजे

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर हरभजन सिंह जिम्बाब्वे और भारत के बीच खेले मैच का एक वीडियो शेरयर किया है। ट्विटर पर वीडियो ट्वीट करते हुए वह अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे। रविवार गया था। अश्विन के इस मजाकिया व्यवहार को कैमरा मैन कैद कर लिया।अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभज सिंह ने ट्विटर पर वीडियो

को जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत ने 71 रन से जीत हासिल की थी। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व अनुभवी आर अश्विन कर रहे हैं हरभजन सिंह ने अश्विन का एक वीडियो ट्वीट कर लिखा, अश्विन क्या सूंघ रहे हो। दरअसल, रविवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में टॉस के दौरान आर अश्विन वार्मअप कर रहे थे। जब टीम इंडिया के कप्तान रोहित टॉस के लिए वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर इयान बिशप के साथ बातचीत कर रहे थे, तब उनके साथी अश्विन को उनकी जैकेट को सूँघते हुए देखा शेयर करते हुए हंसने का इमोजी लगाया है। अश्विन ने श्ण्उ में भारत और जिम्बाब्वे के बीच ऊ20 विश्व कप के मैच 3 विकेट लिए थे। स्टार स्पिनर ने रयान बर्ल, वेलिंगटन मसाकाद्ज़ा और रिचर्ड नगारवा के महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए थे। गौरतलब हो कि भारतने पहले बैटिंग करते हुए पांच विकेट पर 186 रन बनाए थे। जिससे जवाब में जिम्बाब्वे 17.2 ओवर में 115 रन पर ऑल आउट हो गई थी। सूर्यकुमार यादव की बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सूर्यकुमार यादव ने 25 गेंद पर 61 रन की नाबाद पारी खेली थी।

ब्रेट ली ने बताया कोहली कितने साल और खेल सकते हैं क्रिकेट साथ ही एक साल में लगाने चाहिए उन्हें कितने शतक

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। विराट कोहली ने एशिया कप 2022 में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने इंटरनेशनल क्रिकेट करियर का 71वां शतक लगाया था और पछले तीन साल से चले आ रहे अपने शतक के सूखे को खत्म किया था। एशिया कप 2022 में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के बाद कोहली का बेहतरीन फार्म टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भी जारी है और वो खूब रन अपनी टीम के लिए बना रहे हैं। कोहली 34 साल के हो गए और अब वो कितने साल और खेल सकते हैं इसके बारे में आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया। विराट कोहली की वापसी से ब्रेट ली काफी प्रभावित हैं और उनका ये भी मानना है कि अगर वो अपनी फिटनेस और उनका जो रूटीन उसे जारी रखते हैं तो वो सचिन तेंदुलकर के 100 शतक के रिकार्ड को तोड़ सकते हैं। ली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि मैं सिर्फ आंकड़े देख रहा हूं और आंकड़े बता रहे हैं कि आपके नाम पर 71 इंटरनेशनल शतक है। मुझे लगता है कि आपके काम की नैतिकता साथ ही आपकी फिटनेस जिस तरह की है उससे मुझे लगता है कि आप क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में 3-4 साल और खेल सकते हैं। ली ने आगे कहा कि अगर कोहली प्रति वर्ष औसतन 10 शतक लगाते हैं तो भारत अगले साल वनडे वर्ल्ड कप खिताब भी जीत सकता है। 34 साल की उम्र में ज्यादातर क्रिकेटरों की आंखें सुस्त हो जाती हैं, उनके शरीर में उतनी तेजी नहीं रह पाती, लेकिन मुझे लगता है कि आपके प्रशिक्षण, फिटनेस और तैयारी के साथ आपका करियर अभी शुरू ही हुआ है। मैं आपको 4-5 वर्ष और नीचे रखने जा रहा हूं और जो बात मुझे उत्साहित करती है वो ये कि आपके नाम पर 71 शतक दर्ज हैं। मुझे विश्वास है कि आप भी अपने देश के लिए 100 शतक बना सकते हैं। दोस्त, आप 3-4 साल और खेलते हैं और एक साल में 10 शतक लगाते हैं तो ये आपको सबसे अलग बना देगा और मैं आपके लिए ये सपना देख रहा हूं।

बीसीसीआई के बॉस टी20 विश्व कप फाइनल देखने जाएंगे मेलबर्न, जय शाह और गांगुली भी हो सकते हैं शामिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। टी20 विश्व कप का पहला सेमीफाइनल 9 नंबर को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला जाएगा। वहीं दूसरा 10 नवंबर सेमीफाइनल भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा। वहीं फाइनल 13 नवंबर को मेलबर्न में खेला जाएगा। फाइनल देखने के लिए बीसीसीआइ के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और सचिव जय शाह मेलबर्न जाएंगे। दरअसल, बीसीसीआइ अध्यक्ष रोजर बिन्नी के अलावा सचिव जय शाह सहित बीसीसीआइ के शीर्ष अधिकारी मेलबर्न में टी20 विश्व कप फाइनल में भाग लेंगे। वे सभी 12 और 13 नवंबर को होने वाले आइसीसी चुनावों के अलावा आइसीसी की वार्षिक बैठक के लिए मेलबर्न में होंगे। बैठक के बाद, बोर्ड के सभी अधिकारी फाइनल मैच देखने जाएंगे। फाइनल के दौरान बीसीसीआई के अधिकारी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अपने समकक्षों से भी मुलाकात करेंगे। पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है। बीसीसीआइ के सूत्रों के अनुसार बीसीसीआइ और पीसीबी के अधिकारी भी आइसीसी बैठक से इतर मिलेंगे। एशिया कप के लिए भारत के पाकिस्तान नहीं जाने पर बोर्ड के अधिकारियों के बीच बातचीत हो सकती है। हाल ही में एशिया कप को लेकर भारत और पीसीबी में विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि टी20 विश्व कप फाइनल को देखने के लिए पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली भी शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, वह आइसीसी की क्रिकेट समिति के प्रमुख के रूप में मेलबर्न में हो सकते हैं। टी20 विश्व कप में भारत ने अपने ग्रुप-2 के पांच मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की है। उसने सुपर-12 के प्वाइंट्स टेबल में ग्रुप-2 में टॉप रही थी। भारत अभी तक अपना एक मात्र मैच साउथ अफ्रीका से हारा है।

सम्पादकीय

अनिश्चितता से घिरी अर्थव्यवस्था

वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल और अस्थिरता का रुख बना हुआ है। इस कारण आर्थिक वृद्धि के अनुमान भी प्रभावित हो रहे हैं। बीते दिनों कई संस्थाओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को घटाया है। इस साल के लिए ये अनुमान उतने नहीं घटाए गए, जितने अगले साल के लिए। यह दर्शाता है कि बदलते वैश्विक घटनाक्रम का प्रभाव अगले साल को और अनिश्चित बनाने जा रहा है। भारत के नजरिये से यही सकारात्मक है कि यहां स्थिति उतनी बुरी नहीं हैं। यही कारण है कि दुनिया की तमाम अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए 6.5 प्रतिशत से सात प्रतिशत का अनुमान अभी भी कायम है। यह दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ऊंची वृद्धि दर है। वृद्धि के अनुमानों में बार-बार संशोधन-परिवर्तन दर्शाता है कि स्थितियां कितनी विकट हो चली हैं। अर्थव्यवस्था कब दिशा बदलकर अपनी दशा बदलेगी, यह कह पाना मुश्किल हो रहा है। महंगाई ने पूरी दुनिया में हाहाकार मचाया हुआ है, जिससे निपटने के लिए केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाने में लगे हैं। पता नहीं महंगाई पर इससे कितना अंकुश लग पा रहा है, मगर आर्थिक गतिविधियां जरूर प्रभावित हो रही हैं। अमेरिका और यूरोप में मंदी के कुछ संकेत मिलने लगे हैं, जिनका असर देर-सबेर दुनिया भर में देखने को मिलेगा। इसके बावजूद कोई आसार नहीं दिखते कि निकट भविष्य में पश्चिमी केंद्रीय बैंक ब्याज दरें बढ़ाने पर कोई विराम लगाएंगे। दूसरे देश भी कुछ हद तक इसी राह पर चलते दिखाई पड़ सकते हैं। दुनिया की बिगड़ी आर्थिक सेहत में भारत की तबीयत भले कुछ बेहतर हो, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि उसे मौजूदा बीमारी से मुक्ति मिल गई है। जब भी दुनिया किसी आर्थिक भंवर में फंसती है तो अमेरिकी डालर में मजबूती का रुख देखा जाता है और मौजूदा स्थिति भी इसमें कोई अपवाद नहीं। डालर के सामने रुपये की हालत गड़बड़ है। उसे संभालने में भारतीय रिजर्व बैंक ने अभी तक सधे हुए कदम उठाए हैं, लेकिन इसका दबाव विदेशी मुद्रा भंडार पर दिख रहा है। वैश्विक मांग में नरमी से निर्यात भी दबाव में हैं, जबकि आयात में मामूली सी नरमी दिखी है। इससे व्यापार घाटा और चालू खाता घाटा बढ़ने की आशंका बढ़ी है। कुछ वस्तुओं के आयात को सीमित या प्रतिबंधित करने के विकल्प सुझाए जा रहे हैं, लेकिन उसका कोई खास असर नहीं दिखेगा। एक तो उनमें से तमाम लक्जरी वस्तुओं का बाजार बेहद सीमित है और दूसरा उनमें से कई ऐसी चीजें भी हो सकती हैं, जिनसे तैयार होने वाले उत्पादों के निर्यात ही प्रभावित होने लगेंगे। मिसाल के तौर पर देश में अभी भी अधिकांश मोबाइल फोन असेंबल हो रहे हैं। ऐसे में यदि उनके पुर्जों के आयात पर प्रतिबंध लगा तो उनके निर्यात पर असर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि सितंबर में भारत से पहली बार एक अरब डालर के मोबाइल हैंडसेट निर्यात किए गए। आयात नियंत्रण का व्यापक असर दूसरे क्षेत्रों पर भी होगा। आर्थिक अनुमानों में बार-बार बदलाव के पीछे मुख्य कारण भू-राजनीतिक या मानव जनित है। वहीं जलवायु परिवर्तन के कारण प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं में निरंतर होती वृद्धि भी इसकी जटिलताएं बढ़ा रही हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के अनुमान से अधिक लंबा खिंचने के चलते आपूर्ति में गतिरोध का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है। इससे जहां आर्थिक वृद्धि सुस्त पड़ रही है, वहीं जिंसों के दाम नरम होने का नाम नहीं ले रहे। कच्चे तेल में भी अस्थिरता कायम है। दाम कुछ घटते हैं तो तेल उत्पादक देश उत्पादन में कटौती के संकेत देने लगते हैं। दुनिया भर में ऊर्जा स्रोतों की कीमतें आसमान पर हैं। धातुओं का उत्पादन भी प्रभावित हो रहा है। इस बदरंग स्थिति के लिए युद्ध के अलावा चीन की शून्य कोविड नीति भी जिम्मेदार है, जिससे उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला दबाव में आ गई है। इलेक्ट्रानिक्स चिप्स के लिए मारामारी की स्थिति है। इन कारणों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के ढांचे को नए सिरे से गढ़ने पर मजबूर किया है। चीन पर अत्यधिक निर्भरता को दूर करने के लिए अब बहुराष्ट्रीय कंपनियां 'चीन प्लस वन' यानी चीन से इतर किसी और देश में भी विनिर्माण के विकल्प तलाश रही हैं। इसके मूल में आपूर्ति को लचीला बनाने की मंशा है। वैश्विक विनिर्माण की धुरी अभी तक इस मामले में सबसे सक्षम देश चीन के बजाय नव-सक्षम देशों की ओर झुक रही है। इस व्यवस्था के आकार लेने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला न केवल लचीली होगी, बल्कि उसमें स्थायित्व भी आएगा।

विश्व के विभिन्न देशों में हुए इन आंदोलनों ने पूरी दुनिया को किया प्रभावित, हिल गई थी सरकार की जड़ें

विश्व लगभग हर वर्ष और हर में कहीं न कहीं लोगों का किसी न किसी मुद्दे पर आंदोलन चलता ही रहता है। जैसे ईरान में महिलाओं ने जो आंदोलन सरकार के खिलाफ छेड़ा हुआ है उसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। हालांकि ऐसे कुछ ही आंदोलन दिखाई देते हैं जिनकी गूंज इस तरह से सुनाई देती है और जो एक देश की सीमाओं से निकलकर पूरी दुनिया प्रभावित करते हैं। ईरान में जारी आंदोलन भी इनमें से एक है। पूरी दुनिया में महिलाएं इसका समर्थन कर रही हैं। ईरान में भी कई पुरुष अब इन महिलाओं के समर्थन में उतर आए हैं। ईरान में जारी आंदोलन केवल हिजाब तक ही सीमित नहीं है बल्कि ये आंदोलन उन महिलाओं की आजादी से जुड़ा है जो कट्टरपंथियों के सामने अब तक झुकती आई हैं। जिन्हें समाज में दोयम दर्जा दिया जाता है। जिन्हें कुछ समय तक वो हक भी हासिल नहीं थे जो लगभग पूरी दुनिया में महिलाओं को हासिल हैं। ईरान में जो विरोध प्रदर्शन आंदोलन का रूप ले चुका है वो दरअसल, महिलाओं के अंदर दशकों से लगी एक चिंगारी है जो अब दिखाई दे रही है। ये महिलाएं केवल हिजाब से मुक्ति नहीं चाहती हैं बल्कि उस समाज से मुक्ति के लिए सड़कों पर हैं जो उन्हें दबाकर रखता आया है। इन महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का हक चाहिए। 22 साल की महसा अमीनी की मौत के बाद ये चिंगारी भड़क गई है। हिरासत में अमीनी की मौत ने कई सवालों को जन्म दिया है। मौजूदा समय में ईरान में महिलाओं का प्रमुख नारा वुमेन लाइफ फ्रीडम है। अपने बालों को काटना और हिजाब या बुर्का की होली जलाना इन महिलाओं के आदोलन की पहचान बनागया है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की खबरों की बात करें तो

इस आंदोलन के दौरान करीब 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार इस आंदोलन को दबाने की पूरी कोशिश कर रही है। अमेरिका में जार्ज फ्लायड की हत्या के बाद शुरू हुआ ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दी थी। 25 मई 2020 की एक घटना के बाद ये आंदोलन पूरे अमेरिका में फैल गया और विदेशों में भी इसके समर्थन में लोग सड़कों पर उतर आए थे। बीते 29 मई, 2020 को अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस शहर में श्वेत पुलिसकर्मियों द्वारा एक अश्वेत नागरिक जार्ज फ्लायड की बर्बर हत्या के विरोध में इस आंदोलन की शुरुआत हुई थी। इंगलैंड के ब्रिस्टल शहर में 17वीं शताब्दी के दास व्यापारी एडवर्ड कोल्स्टन की मूर्ति को तोड़ दिया गया । इस तरह की घटनाएं अमेरिका और उसके बाहर कई जगहों पर हुई थीं। जार्ज की हत्या के बाद अफ्रीकी अमेरिकन लोग सड़कों पर उतरे थे। अमेरिका के कई दिग्गज और जाने माने चेहरे भी इस आंदोलन का गवाह बने थे। इस घटना से सबक लेकर अमेरिका के कई राज्यों और नगरपालिकाओं ने पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार के कानूनों पर विचार शुरू कर दिया गया था। अमेरिका में गर्भपात का अधिकार पाने के लिए महिलाएं लगातार आंदोलन कर रही हैं। अमेरिका में दशकों से ये मुद्दा ज्यों का त्यों बना हुआ है। अमेरिका में ये विवाद 1973 में शुरू हुआ था। उस वक?त देश की सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत के आधार पर लिया था। कोर्ट का कहना था कि ये महिलाओं का मौलिक अधिकार है। 1992 में एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई महिला गर्भपात को लेकर अपना फैसला खुद ले सकती है। इसमें दखल नहीं दिया जा सकता है। इसी वर्ष जब सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलटा तो हजारों की संख्या में महिलाएं सड़कों पर उतरी थीं। उनका कहना था कि महिला इस संबंध में क्या फैसला ले इसका हम उन्हें दिया जाना चाहिए। अमेरिका में हुए इस आंदोलन को विश्व के कई हिस्सों से समर्थन भी मिला था। आपको बता दें कि विश्व के कई देशों में गर्भपात के खिलाफ नियम हैं। वहां पर गर्भपात कराए जाने को अपराध की श्रेणी में रखा जाता है। वर्ष 2002 के अंत में इराक युद्ध के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शन ने जल्द ही एक आंदोलन की शक्ल ले ली थी। ये आंदोलन जल्द ही बड़े स्तर पर चला गया और इसके समर्थन में विश्व के कई देशों में लोग सड़कों पर उतरे। 2003 में भी ये जारी रहा। न्यूयार्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में इस आंदोलन के बारे में कहा गया था था कि एक तरफ अमेरिका है तो दूसरी तरफ विश्व बिरादरी की इसके प्रति सोच। ये आंदोलन अमेरिका द्वारा छेड़े गए युद्ध के खिलाफ था। आंदोलनकारी अमेरिका के अफगानिस्तान में घुसने से भी खासा नाराज थे। रोम में अमेरिका के खिलाफ के हुए विरोध प्रदर्शन में रिकार्ड 30 लाख लोग एकत्रित हुए थे। समूचे यूरोप से लोग यहां पर आए थे। इसकी संख्या को देखते हुए ये विरोध प्रदर्शन गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया गया था। इसको एंटी वार रैली का नाम दिया गया था। 1989 में चीन में हुआ आंदोलन ने पूरी दुनिया में वहां की कम्यूनिस्ट सरकार का घिनौना चेहरा विश्व के सामने रखा था। चीन की सरकार के आदेश के बाद इस आंदोलन को कुचलने के नाम पर 10 हजार से अधिक छात्रों की की जिंदगी छीन ली गई थी। जून 1989 में पेइचिंग के थियानमेन चौक पर हजारों की संख्या में छात्र लोकतंत्र बहाली के समर्थन में इकट्ठा हुए थे। इस आंदोलन को कुचलने के लिए सरकार ने बड़ी संख्या में सैनिकों और टैंको को सड़कों पर उतार दिया था। ब्रिटिश राजदूत एलन डोनाल्ड के एक पत्र के मुताबिक इस घटना में कम से कम 10 हजार लोगों की मौत हुई थी। चीन ने इसकी खबरों को बाहर जाने से रोकने के लिए सैंसरशिप लागू कर दी थी। इस दौरान की टैंक के सामने निहत्थे एक आदमी की फोटो इस आंदोलन की पहचान बन गई थी।

आतंकवाद को सहने की आदत, कई बार अदालतों का ऐसा रवैया चिंताजनक

बीते गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने लश्कर के एक पाकिस्तानी आतंकी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने स्वयं को सुनाई गई फांसी की सजा पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया था। मुहम्मद आरिफ उर्फ अशफाक को दिसंबर 2020 में लाल किले में तैनात सेना की 7 राजपूताना राइफल्स की यूनिट पर हमले का दोषी पाया गया था। इस हमले में आतंकियों की गोलीबारी में सेना के तीन जवान बलिदान हुए थे। यह तो राहत की बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तानी आतंकी की मौत की सजा बरकरार रखी, लेकिन यह जानना निराशाजनक है कि किसी को नहीं पता कि उसे सुनाई गई सजा पर अमल कब होगा इस आतंकी को अक्टूबर 2005 में दिल्ली की एक निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई, फिर 2007 में दिल्ली हाई कोर्ट ने उस पर मुहर लगाई। इसके बाद 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने भी। मृत्युदंड पाए इस आतंकी ने इसके बाद पुनर्विचार याचिका दायर की। यह याचिका भी 2012 में खारिज कर दी गई। इसके उपरांत उसने क्यूरेटिव यानी उपचारात्मक याचिका दायर की। जनवरी 2014 में यह भी खारिज हो गई। पता नहीं अब यह आतंकी क्या करेगा, लेकिन उसके पास राष्ट्रपति के पास दया याचिका प्रस्तुत करने का अधिकार तो है ही। वह इस अधिकार का उपयोग चाहे जब करे, 2014 के बाद से अब तक उसे फांसी देने का कोई उपक्रम न किया जाना यही बताता है कि खूंखार आतंकियों को पालने-पोसने का काम किया जा रहा है। ऐसा चाहे जिन कारणों से हो रहा हो, लेकिन आतंकियों को सजा देने के मामले में ऐसा लचर

रवैया अपनाने से एक ऐसे समय आतंकवाद के खिलाफ लड़ी जा रही लड़ाई को सही तरह नहीं लड़ा जा सकता, जब आतंकी गतिविधियों पर लगाम नहीं लग रही है। आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं कि अमुक मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआइए को सौंपी गई। यह भी कोई नई-अनोखी बात नहीं कि देश के विभिन्न हिस्सों से कभी अलकायदा, कभी इस्लामिक स्टेट और कभी किसी अन्य आतंकी संगठन के सदस्य इस जांच एजेंसी की गिरफ्त में आते रहते हैं। आतंकवाद का खतरा किस तरह सिर उठाए हुए है, इसका पता इससे चलता है कि रह-रहकर किसी न किसी आतंकी हमले के षड्यंत्र का भंडाफोड़ होता रहता है। ऐसा ही एक भंडाफोड़ दीपावली की पूर्व संध्या यानी 23 अक्टूबर को कोयंबटूर में तब हुआ, जब संगमेश्वर मंदिर के पास से गुजर रही कार में एक भीषण धमाका हुआ। इस धमाके में कार चालक जमीशा मुबीन मारा गया। जांच में पता चला कि मुबीन का उद्देश्य मंदिर में आत्मघाती धमाका करना था, लेकिन किसी गफलत के कारण समय से पहले कार में विस्फोट हो गया और वह बेमौत मारा गया। पहले यह माना जा रहा था कि मुबीन ने इस हमले की साजिश स्वयं ही रची और उसका किसी आतंकी संगठन से संबंध नहीं था, लेकिन एनआइए की जांच में पता चला कि उसके कई और साथी इस साजिश में शामिल थे। इनमें से छह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनसे पूछताछ में पता चला कि पूरे दक्षिण भारत में आतंकी हमले करने का तैयारी थी। मुबीन एक इंजीनियर था और वह कुछ समय पहले भी पुलिस की निगाह में आया था। पुलिस को संदेह था कि वह इस्लामिक स्टेट की एक स्थनीय शाखा बनाना चाहता था। उससे पूछताछ भी हुई, लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। उसके मारे जाने के बाद जब एनआइए ने उसके घर जाकर छानबीन की तो उसे तमाम जिहादी साहित्य मिला, जिसमें जिहादी हरकतों को फर्ज बताया गया था। इसके अलावा बम बनाने की सामग्री, जिहादी बातों से भरी एक डायरी और 2019 में ईस्टर के दिन श्रीलंका में आतंकी धमाके कराने वाले एक जिहादी के 40 वीडियो भी मिले। इन वीडियो में जिहादी हमलों की वकालत की गई थी। इसी तरह के 15 वीडियो जाकिर नाइक के मिले।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को मिले संरक्षण, हेट स्पीच के आरोपों को अभिव्यक्ति के हनन करने का जरिया न बनने दें

पिछले एक दशक में राजनीति जितनी बदली है, उतनी ही सार्वजनिक संवाद में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली भी। बौद्धिक क्षेत्र में जिन सिद्धांतों को कभी निर्विवाद एवं निश्चयात्मक माना जाता था, आज उन्हें संदिग्ध एवं नकारात्मक बनाने का प्रयास साफ दिखाई दे रहा है। इसके लिए बड़ी चतुराई से समानांतर शब्दावली गढ़ी गई है। कड़े फैसले लेने वाले निर्णायक नेतृत्व पर तानाशाही की तोहमत और स्पष्ट बहुमत वाले अभिमत को बहुसंख्यकवाद जैसी संज्ञा देना इसी प्रयास का हिस्सा है। हालांकि जिस सिद्धांत के साथ सबसे ज्यादा छेड़छाड़ होती दिख रही है, वह अभिव्यक्ति से संबंधित है। मानव स्वतंत्रता का सबसे महत्वपूर्ण सरोकार होने के नाते कभी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता चिंता का बड़ा विषय रहती थी, परंतु घृणात्मक अभिव्यक्ति या 'हेट स्पीच' धीरे-धीरे मीडिया, राजनीतिक भाषणों और विमर्श की सुर्खियां बटोर रही है। हेट स्पीच के आरोप लगाकर निचली अदालतों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक ताबड़तोड़ याचिका दायर हो रही हैं। ऐसी ही एक याचिका का संज्ञान लेते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले दिनों हेट स्पीच पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और ऋषिकेश राय की पीठ ने देश में स्थिति को असाधारण रूप से खराब बताते हुए दिल्ली, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सरकारों को निर्देश दिया कि वे हेट स्पीच मामलों में लिखित शिकायत न मिलने पर भी स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करें। पीठ की नाराजगी

इतनी थी कि उसने शिथिलता बरतने पर राज्य सरकारों को अवमानना की कार्रवाई की धमकी तक दे डाली। शाहीन अब्दुल्ला द्वारा मुस्लिम समाज के खिलाफ डर का माहौल बनाए जाने वाली इस याचिका पर न्यायालय ने भी देश में भय का माहौल बने होने की बात कही। दिलचस्प बात यह है कि सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी मुस्लिम चरमपंथियों द्वारा कन्हैयालाल, उमेश कोल्हे और प्रवीण नेत्तारू समेत आधा दर्जन हिंदुओं की देशव्यापी हत्याओं और लाखों लोगों द्वारा जगह-जगह गुस्ताखी पर 'सिर तन से जुदा' वाली रैलियों के तीन माह के भीतर आ रही है। कमाल की बात यह भी है कि इन हत्याओं के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने हिंदू नेताओं को ही दोषी ठहराया था। हालांकि उन टिप्पणियों को बाद में वापस ले लिया गया। इसी तरह एक अन्य याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने हिंदू युवा वाहिनी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में आरोपितों पर हेट स्पीच की धाराओं में कार्रवाई का निर्देश दिया था, जबकि दिल्ली पुलिस की नजर में ऐसा कोई मामला बनता ही नहीं था। हेट स्पीच के यकायक बढ़े शब्द प्रयोग और न्यायिक हस्तक्षेप के बीच गौर करने वाली बात यह है कि चाहे भारत हो या अन्य देश, हर जगह शिकायतकर्ता अमूमन मुस्लिम समुदाय से ही हैं। हेट स्पीच का पीड़ित भी मुस्लिम समुदाय को ही दिखाया जा रहा है, परंतु क्या वाकई ऐसा है शरजील इमाम और उमर खालिद के 'इंशा अल्लाह' यानी अल्लाह की इच्छा से देश के टुकड़े करने के मंसूबे हों या मौलाना तौकीर रजा की हिंदुओं के सफाए की धमकी या शिवलिंग और अन्य हिंदू देवी-देवताओं पर तमाम मुस्लिम नेताओं के साथ ही धर्मगुरुओं की अभद्र टिप्पणियां, मुस्लिम समुदाय द्वारा न सिर्फ लगातार भड़काऊ बयानबाजी हो रही है, बल्कि वे हिंसक घटनाओं में भी परिवर्तित हो रही हैं। यह सही है कि न्यायालय उन्हीं मामलों की सुनवाई करेगा, जो उसके समक्ष आएं, पर जब वह अल्पसंख्यक और वह भी मुस्लिम अल्पसंख्यकों के डरे होने की बात करे तो प्रश्न उठता है कि क्या न्यायपालिका को इन सभी बयानों और सीएए से लेकर 'सिर तन से जुदा' नारों के साथ होने वाली राष्ट्रव्यापी हिंसा दिखाई नहीं देती? क्या उसे दर्जनों हिंदू युवक-युवतियों या कार्यकर्ताओं की निरंतर हो रही हत्याएं नहीं दिख रहीं? यह भी अचरज की बात है कि राज्यों को स्वतः संज्ञान लेने का आदेश देने वाले सुप्रीम कोर्ट ने नामपल्ली की उस निचली अदालत पर कोई टिप्पणी नहीं की, जिसने अकबरुद्दीन ओवैसी को हेट स्पीच मामले में बरी कर दिया था। एआइएमआइएम नेता अकबरुद्दीन ने '15 मिनट पुलिस हट जाने की सूरत में हिंदुओं का बुरा हाल करने' की धमकी दी थी। निःसंदेह पिछले कुछ वर्षों में भारत ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में जनसंभाषण में तल्खी बढ़ी है। इसके साथ ही इस्लामी कट्टरता और इस्लाम पर बेबाक चर्चा शुरू हुई है। यह विचारणीय है कि इसके लिए बढ़ती इस्लामी कट्टरता स्वयं कितनी जिम्मेदार है? एक परिपक्व व्यवस्था और स्वस्थ लोकतंत्र में किसी भी धार्मिक, नस्लीय, जातीय और लैंगिक समूह को लक्ष्य कर द्वेषपूर्ण एवं हिंसा भड़काने वाले भाषण पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह भी जरूरी है कि मजहबी और राजनीतिक विचारधारा द्वारा जनित विकारों पर निर्भीक संवाद की गुंजाइश बनी रहे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए ऐतिहासिक तथ्य और मजहबी सिद्धांतों का उल्लेख किसी को ठेस पहुंचने या भावनाएं भड़कने का भय बताकर निषेध नहीं किया जा सकता। तब समस्या भावनाएं आहत होने वाले की है, तथ्यों का उद्धरण देने वाले की नहीं। इस दृष्टि से पत्रकार अमीश देवगन द्वारा ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के शिहाबुद्दीन गोरी की लुटेरी फौज का सिपाही होने की बात या केरल के ईसाई पादरी फादर एंथनी थरेक्कडविल द्वारा हलाल के बहिष्कार और इस्लाम के पैगंबर के जीवन प्रसंग का उद्धरण करने पर की गई हेट स्पीच कार्रवाई कानून का दुरुपयोग एवं व्यवस्था की ज्यादती है। सरकारों और न्यायपालिका को चाहिए कि वे हेट स्पीच आरोपों को अभिव्यक्ति के हनन करने का जरिया न बनने दें। इस्लामी कट्टरता और उसकी मजहबी प्रेरणाओं पर चर्चा को रोकने के लिए इस्लामोफोबिया नामक शब्दावली का अनावश्यक प्रयोग हुआ है। स्वतंत्र विमर्श के लिए प्रतिबद्ध बुद्धिजीवियों को देखना होगा कि इस्लामोफोबिया की तर्ज पर हेट स्पीच शब्दावली का उपयोग भी कहीं कट्टरता विरोधी अभिव्यक्ति को रोकने के लिए तो नहीं हो रहा है? न्यायालयों की जिम्मेदारी बनती है कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति और घृणात्मक अभिव्यक्ति के बीच भेद को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर मामलों का संज्ञान लें। वे स्वतंत्र अभिव्यक्ति की रक्षा करते समय बड़ी से बड़ी और उग्र से उग्र भीड़ के दबाव में न आएं, अन्यथा हम लोकतंत्र न होकर भीड़तंत्र ही होंगे।

संक्षिप्त समाचार

विदेश सचिव क्वात्रा ने न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस से की मुलाकात

न्यूयार्क। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस से मुलाकात की और गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। इसकी जानकारी संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के हवाले से दी गई। गंभीर मुद्दों पर हुई चर्चा संयुक्त राष्ट्र में भारत के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने ट्वीट किया, विदेश सचिव महासचिवे से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने गंभीर चिंता के मुद्दों पर चर्चा की। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अपनी ब्रीफिंग में विदेश सचिव ने वैश्विक समुदाय से सामूहिक रूप से उन लोगों को बाहर निकालने का आग्रह किया जो अमेरिकी प्रतिबंध शासन सहित आतंकवादियों का बचाव करते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर थे जहां उन्होंने बहुपक्षवाद में वैश्विक चिंताओं और चुनौतियों पर अपने विचार व्यक्त किए। हमें भारत पर करना चाहिए भरोसा- गुटेरेस इस अवसर पर बोलते हुए, गुटेरेस ने कहा, हमें भारत पर भरोसा करना चाहिए क्योंकि यह अपने इतिहास, संस्कृति और इसके संस्करण में पूरी तरह से स्थिरता के एक नए युग की शुरुआत करने में मदद करने के लिए 20 समूह की अध्यक्षता करने जा रहा है।संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने भारत को आगामी 20 समूह की अध्यक्षता करने के लिए बधाई दी और कहा कि 20 देशों का वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का 80 प्रतिशत हिस्सा है, लेकिन यह वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत का भी प्रतिनिधित्व करता है।

शराब पीनेवालों से भर रहीं बिहार की जेलें, नीतीश कुमार बोले- बेचने वालों पर अधिक ध्यान दे पुलिस

(आधुनिक समाचार सेवा)

पटना। शराब पीने वालों की अपेक्षा शराब के धंधेबाजों को पकड़ना अब पुलिस-प्रशासन की प्राथमिकता होगी। अवैध शराब की आपूर्ति करने वाले तस्करों के विरुद्ध अभियान और तेज किया जाएगा। मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार ने सोमवार को मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की समीक्षा के बाद अफसरों को इस बाबत निर्देश दिए हैं। शराब बेचने वालों पर होगी सख्ती समीक्षा बैठक के बाद मुख्य सचिव आमिर सुबहानी ने प्रेस वार्ता कर बताया कि पीने वालों की अपेक्षा शराब बेचने वालों पर कड़ाई होगी। शराब तस्कर राज्य के अंदर हो या बाहर, उनको पकड़ा जाएगा। शराब के धंधेबाज पकड़े जाएंगे तो पीने वालों तक खुद आपूर्ति बंद हो जाएगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने शराबबंदी कानून में किसी तरह के बदलाव से इन्कार किया।मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने कहा कि शराब की सप्लाई चेन को ध्वस्त करने पर फोकस किया जाएगा। अप्रैल में शराबबंदी संशोधन के बाद जब पीने वालों को जुर्माना देकर छोड़ने का प्रविधान किया गया, तब से ही इस ओर ध्यान दिया जा रहा है। सिर्फ दोबारा पीने वालों को ही जेल भेजा जा रहा है। अक्टूबर माह में शराबबंदी कानून के तहत 20 हजार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 350 डाक्टर, इंजीनियर, सरकारी सेवक और जनप्रतिनिधि हैं। जनवरी से ही विशेष अभियान चलाकर राज्य के बाहर से भी गिरफ्तारी हो रही है। शराब तस्करों को पांच से दस साल तक की सजा सुनाई गई है। मद्य निषेध के आइजी अमृत राज ने बताया कि सिर्फ इस साल 60 हजार लोगों को शराबबंदी कानून के तहत पकड़ा गया है। शराब की होम डिलीवरी करने वालों पर भी चोट की जा रही है। राज्य में हरियाणा, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तरप्रदेश, असम और पश्चिम बंगाल से सबसे अधिक शराब आ रही है, जहां से इस साल 90 शराब तस्करों को पकड़ा गया है। अब बड़े शराब माफिया और तस्करों की गिरफ्तारी के साथ स्पीडी ट्रायल कर उनको सजा दिलाने पर फोकस होगा।

संदीप के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 167 पोस्ट, 100 से ज्यादा खालिस्तान सोच वालीनवीन राजपूत

(आधुनिक समाचार सेवा)

अमृतसर । हिंदू नेता और शिवसेना (टकसाली) के

अध्यक्ष सुधीर सूरी की हत्या के मामले में विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने सोमवार को जांच शुरू कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ में आरोपित संदीप सिंह सूरी की इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट की गई एक वीडियो से आहत था। इसी कारण उसने उसे गोलियां मारने की बात कही है। मगर पुलिस खालिस्तान समर्थन के एंगिल को नजरअंदाज नहीं कर रही है। जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपित के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 167 वीडियो अपलोड की गई हैं। इनमें से 100 से ज्यादा खालिस्तान समर्थक सोच और हथियारों के प्रदर्शन से जुड़ी हुई हैं। आरोपित की एक वीडियो में वह अपनी पिस्तौल से हवाई फायरिंग करते हुए भी दिख रहा है। एसआइटी के एक अधिकारी ने बताया कि पूछताछ में संदीप ने कहा है कि वह सुधीर सूरी की इंटरनेट मीडिया पर एक भड़काऊ पोस्ट से आहत था और घटना वाले दिन जैसे ही उसने सूरी को अपनी दुकान के पास देखा तो उसने गोलियां मारकर उसकी हत्या कर दी। जांच में यह बात भी सामने आई है कि न्यू प्रताप नगर के रहने वाले संदीप ने वर्ष 2016 में हथियारों का लाइसेंस बनवाया था। इसके कुछ समय बाद ही आरोपित ने पिस्तौल भी खरीद ली। उसे हथियार चलाने का शौक है। वह 2019 तक सहजधारी था। एसआइटी ने संदीप सिंह की बाल कटिंग वाली कई फोटो उसके इंटरनेट मीडिया अकाउंट से बरामद की हैं। आरोपित संदीप सिंह की मजीठा रोड पर स्थित रेडीमेड कपड़ों की दुकानों का केस भी कोर्ट में विचाराधीन हैं। आरोप है कि संदीप ने दुकान मालिक को कई महीने किराये का भुगतान नहीं किया था। परिवार अब तक भूमिगत एसआइटी के एक अधिकारी ने बताया कि संदीप सिंह के परिवार से बात करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन सभी सदस्य भूमिगत हैं। परिवार से बात होने पर संदीप के बारे में कई जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

निर्भया से ज्यादा दरिंदगी हुई थी छावला की युवती के साथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के छावला सामूहिक दुष्कर्म मामले के तीनों आरोपितों की फांसी की सजा को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बरी कर दिया। इस पर पीड़ित परिवार ने निराशा जताई है। परिवार ने इंसाफ की लड़ाई जारी रखने की बात कही है। निर्भया केस से 9 महीने पहले हुई थी ऐसी ही वारदात बता दें कि निर्भया दुष्कर्म कांड (16 दिसंबर, 2012) से लगभग दस माह पहले भी दिल दहलाने वाली वारदात हुई थी। कार सवार तीन युवकों ने छावला की रहने वाली 19 वर्षीय युवती को अगवा कर चलती कार में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म के दौरान दरिंदगी की थी। उस घटना ने भी देश को शर्मसार कर दिया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली के छावला से हरियाणा के रेवाड़ी के बीच तकरीबन 70 किलोमीटर तक युवती के साथ दरिंदगी की गई।घटनाक्रम के मुताबिक, 9 फरवरी, 2012 को जब बेटी काफी देर तक घर नहीं पहुंची तो गुमशुदा बेटी के पिता मदद के लिए पुलिस के पास पहुंचे थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए घाटों पर उमड़ी भीड़, पटना से गया के लिए आज हर घंटे ट्रेन

(आधुनिक समाचार सेवा)

पटना। बिहार में कार्तिक पूर्णिमा पर पवित्र स्नान के लिए गंगा, गंडक, बागमती समेत सभी नदियों के किनारे श्रद्धालु उमड़े। बक्सर,

सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया और भागलपुर के गंगा घाटों पर सोमवार को भी श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा। मंगलवार को चंद्र ग्रहण लगने के कारण ढेरों श्रद्धालुओं ने एक दिन पहले ही स्नान कर लिया। पटना में मध्य रात्रि से घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पटना नगर निगम ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सभी घाटों की बैरिकेडिंग कराई थी। नगर आयुक्त अनिमेश कुमार पराशर ने बताया कि गंगा घाट पर नगर निगम कर्मी तैनात कर दिए गए हैं। शिवाघाट, पाटीपुल घाट, मीनार घाट, बंदटोली घाट, दीघा 93 घाट, दीघा 88 घाट, दीघा 83 घाट, कुर्जी घाट, कलेक्ट्रेट घाट पर स्नान करने की व्यवस्था की गई। इसके बाद गंगा रीवर फ्रंट वाले घाट बंशीघाट, कालीमंदिर घाट से पटना सिटी के बीच कई घाटों पर सुरक्षित ढंग से स्नान करने की व्यवस्था की गई है। गंगा रीवर फ्रंट वाले घाटों की धुलाई कराई गई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को गंगा घाट पर पहुंचने की संभावना है। गया की तरफ से आने वाली ट्रेनों से गंगा स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पटना पहुंचे हैं। कार्तिक पूर्णिमा को गंगा स्नान उत्तम माना जाता है। गया, औरंगाबाद, जहानाबाद सहित झारखंड के सीमा क्षेत्र के लोग भी गंगा स्नान करने के लिए पटना आते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए दानापुर रेलमंडल सतर्क हो गया है। पटना जंक्शन के स्टेशन निदेशक राजू कुमार ने बताया कि मंगलवार की सुबह पांच बजे से प्रत्येक एक घंटे पर गया के लिए ट्रेन खुलेगी। जब तक भीड़ रहेगी, ट्रेन खुलते रहेगी। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में गंगा स्नान के लिए श्रद्धालु ट्रेन से पहुंचे हैं।

दिल्ली मेट्रो के लाखों यात्रियों को राहत, रेड लाइन पर चलेगी 8 कोच वाली मेट्रो ट्रेन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली।दिल्ली मेट्रा के जरिये राजधानी दिल्ली से यूपी के गाजियाबाद के बीच सफर करने वालों को दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने एक बड़ा तोहफा दिया है।दिल्ली मेट्रो की सबसे पुरानी रेड लाइन पर भी अब आठ कोच वाली मेट्रो ट्रेनों का परिचालन होगा। 2024 तक 39 ट्रेनों में बढ़ेंगे कोच यात्रियों

को राहत देने के लिए पहले चरण में आठ कोच वाले दो ट्रेन सेट तैयार किए गए हैं। चरणबद्ध तरीके से इस लाइन पर वर्ष 2024 तक 39 ट्रेनों में कोच बढ़ाने का काम पूरा किया जाएगा। इससे रिठाला से गाजियाबाद के शहीद स्थल नया बस अड्डा के बीच ज्यादा यात्री यात्रा कर सकेंगे।गाजियाबाद के लोगों को भी होगा फायदा मेट्रो के एक कोच में 50 यात्री बैठकर और कुल ढाई सौ तक यात्री यात्रा कर सकते हैं। इस तरह से अब प्रत्येक फेरे में पांच सौ ज्यादा यात्री यात्रा करेंगे। इससे सबसे ज्यादा लाभ यूपी के गाजियाबाद के यात्रियों को होगा, क्योंकि रेड लाइन मेट्रो नया बस अड्डा तक जाती है। दिल्ली मेट्रो के यात्रियों को सफर होगा आसान यात्रियों की संख्या को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) अलग-अलग लाइन पर मेट्रो ट्रेनों में कोच की संख्या बढ़ाने का काम कर रहा है। येलो लाइन (समयपुर बादली-हुड्डा सिटी सेंटर) और ब्लू लाइन (द्वारका सेक्टर-21 से नोएडा इलेक्ट्रानिक सिटी/ वैशीली) पर सभी ट्रेनों को आठ कोच में बदलने का काम पूरा हो गया है। अब रेड लाइन पर यह काम शुरू किया गया है।इस लाइन पर छह कोच वाली कुल 39 ट्रेनें हैं। इन सभी को आठ कोच में परिवर्तित किया जाना है। इसके लिए 78 कोच खरीदे गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि नियमित सेवा में बाधा डाले बिना आठ कोच में परिवर्तित करने का काम पूरा किया जाएगा। इसी लाइन पर सबसे पहले छह कोच वाली मेट्रो ट्रेन का परिचालन शुरू किया गया था। गौरतलब है कि रिठाला से शहीद स्थल नया बस अड्डा तक 34 किलोमीटर लंबे कोरिडोर पर वेलकम, कश्मीरी गेट, इंद्रलोक और नेताजी सुभाष प्लेस चार इंटरचेंज स्टेशन है।

दिल्ली में BS3 और BS4 वाहनों पर 13 नवंबर तक पाबंदी, पकड़े गए तो कटेगा 20 हजार का चालान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप के चौथे चरण के तहत लगाई गई पाबंदियों को हटा लिया गया है। वहीं, दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों की आवाजाही पर 13 नवंबर तक प्रतिबंध बरकरार रखा गया है। ऐसे वाहनों को मिली छूट परिवहन विभाग ने एक आदेश में कहा कि नियम का उल्लंघन करते हुए वाहन चलाते पाए जाने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा, जिसमें 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

आपातकालीन सेवाओं के लिए तैनात वाहन और सरकार और चुनाव संबंधी कार्य प्रतिबंध के दायरे में नहीं आते हैं।अगर कोई बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल एलएमवी सड़कों पर चलता हुआ पाया जाता है, तो उसका चालान काटा जाएगा। विभाग ने एक अन्य आदेश में कहा कि दिल्ली और दिल्ली में पंजीकृत डीजल संचालित मध्यम माल और भारी माल वाहनों में ट्रकों के प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। इन पर चौथे चरण में 4 नवंबर को प्रतिबंध लगा दिया गया था।

पीएम मोदी 11 नवंबर को जाएंगे कर्नाटक, वंदेभारत एक्सप्रेस सहित कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

(आधुनिक समाचार सेवा)

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 नवंबर को कर्नाटक के दौरे पर जाएंगे। पीएम मोदी चैन्नई से मैसूर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही कई और कार्यक्रम

में शामिल होंगे। पीएम मोदी 11 नवंबर को जिन कार्यक्रमों में शिरकत करने जा रहे हैं, उनमें एसबीसी रेलवे स्टेशन से वंदे भारत (चेन्नई-मैसूर-बैंगलोर) ट्रेन का शुभारंभ भी शामिल है अधिकारियों ने कहा कि यह कर्नाटक राज्य के लोगों की लंबे समय से लंबित मांग थी और पीएम मोदी इस हाई-स्पीड ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। वंदेभारत ट्रेन हल्की और तकनीक में उच्च है, इस वजह से यह कम समय में अधिक गति पर पहुंचने में सक्षम है। भारतीय रेलवे के संचालन में चलाई जाने वाली यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन बिजली से चलती है और अब तक लांच हो चुकी ट्रेन में सबसे आधुनिक संस्करण है।इस 1128 यात्रियों की क्षमता वाली ट्रेन में 16 कोच हैं, और यह बुधवार को छोड़कर बाकी सभी दिन चेन्नई, बेंगलुरू और मैसूर के बीच चलेगी। मैसूर से चेन्नई के 504 किमी के सफर में ट्रेन करीब 6 घंटे 40 मिनट लगाएगी। वंदे भारत के टिकट की कीमत शताब्दी से करीब 39 फीसद ज्यादा रखी गई है, क्योंकि 40 रुपये (एसी चेयर कार के लिए) और 75 रुपये (एक्जिक्यूटिव क्लास के लिए) आरक्षण और केटरिंग चार्ज अतिरिक्त जुड़ा है। जहां तक ट्रेन की खासियत की बात है, तब जहां आमतौर पर ट्रेन का वजन 1400 से 1500 टन के बीच होता है वहीं इस ट्रेन का वजन करीब 850 टन होगा।वहीं ज्यादातर बुलेट ट्रेन शून्य से 58 सेकेंड के भीतर 100 मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती हैं, और वंदे भारत एक्सप्रेस जो दक्षिण में लांच होगी वह यही रफ्तार 52 सेकेंड में पकड़ लेगी। यह ट्रेन 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पर दौड़ेगी, और अपने परीक्षण के दौरान यह 180 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार तक जा चुकी है। पीएम मोदी बेंगलुरु के विधायक भवन में कनकदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। वह केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल का भी उद्घाटन करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि चूंकि बैंगलोर पहुंचने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या बहुत बड़ी है, इसलिए 25 लाख और 100 काउंटरों की क्षमता वाले एक अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल का उद्घाटन किया जा रहा है। यदि दोनों टर्मिनलों को जोड़ दिया जाए तो यह दिल्ली के बाद देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा होगा। यह कर्नाटक और बैंगलोर के विकास का पूरक होगा। उन्होंने बताया कि पर्यटन, उद्योग, आईटी और बीटी क्षेत्रों को भी काफी फायदा होगा। पीएम मोदी राज्य की अपनी यात्रा के दौरान नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट ऊंची प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे।

सुकेश चंद्रशेखर के लेटर बम पर भाजपा की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 200 करोड़ रुपये की महाठगी में आरोपित सुकेश चंद्रशेखर दिल्ली की मंडोली जेल से हाथों से लिखे पत्र अपने वकील के जरिये मीडिया में वायरल कर रहा है। इस पत्रों में सुकेश ने आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, सत्येंद्र जैन और कैलाश गहलोत पर गंभीर गंभीर

आरोप लगाए हैं। इस पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने मांग की है कि जांच की कड़ी में सुकेश चंद्रशेखर, सत्येंद्र जैन और अरविंद केजरीवाल का लाइ डिटेक्टर टेस्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने मंगलवार को पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि दिल्ली सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के प्रतिदिन नए मामले सामने आ रहे हैं। सुकेश चंद्रशेखर के आरोप बेहद गंभीर हैं। भाजपा नेता ने कहा कि अब तक आप सरकार के किसी मंत्री या विधायक या नेता पर आरोप लगते थे। लेकिन, अब आरोप सीधे अरविंद केजरीवाल पर लग रहे हैं। जेल में बंद ठग ने मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने पत्र लिखकर मुख्यमंत्री व मंत्रियों को पैसे देने और संबंध की बात कही है। आप यह आरोप लगा रही है सुकेश से कोई पत्र लिखवा रहा है। आप सरकार को बताना चाहिए कि जेल दिल्ली सरकार की वहां बंद मंत्री भी उसका और जेल में सारी व्यवस्था भी उसकी। ऐसे में सुकेश से पत्र कौन कैसे लिखवा रहा है इसका जवाब देना चाहिए। सिर्फ बहाना बनाना और लीपापोती करने से काम नहीं चलेगा। जनता सच्चाई जानना चाहती है।भाजपा की मांग है कि सुकेश, सत्येंद्र जैन और केजरीवाल पर पोलीग्राफ लाई डिटेक्टर टेस्ट होनी चाहिए। टेस्ट का लाइव प्रसारण किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री को स्वयं टेस्ट के लिए बोलना चाहिए क्योंकि सुबूत के साथ आरोप लग रहे हैं। मुख्यमंत्री चुपी साधे हुए हैं। भाजपा किसी भी भ्रष्टाचारी को भ्रष्टाचार करके निकलने नहीं देगी।

अमित शाह आज करेंगे भाजपा कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता सीएम समेत कई बड़े नेता रहेंगे मौजूद

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मंगलवार को गुजरात भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी के सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करेंगे। भाजपा राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह से तैयार है। बैठक में शामिल होने के लिए गुजरात

भाजपा कोर कमेटी के सभी नेता दिल्ली पहुंच गए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में हैं। मुख्यमंत्री पटेल के आज दिल्ली में भाजपा के कई शीर्ष नेताओं से भी मिलने की उम्मीद है। इससे पहले सोमवार को देर रात तक अमित शाह के आवास पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल और गुजरात के मुख्यमंत्री के साथ अहम बैठक हुई।बुधवार को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक इस बीच, आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा बुधवार शाम को अपनी केंद्रीय चुनाव समिति (ण्ं) की बैठक करेगी। पीएम मोदी, जेपी नड्डा और सीएम भूपेंद्र पटेल होंगे शामिल यह बैठक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल और सीईसी और राज्य इकाई के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में होगी। बैठक दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में निर्धारित है।राज्य के पार्टी मुख्यालय पर भी हो चुकी है बैठक समाचार एजेंसी एएनआइ ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि बैठक का प्रारंभिक दौर राज्य के पार्टी मुख्यालय गांधीनगर में तीन दिन पहले हुआ। इस दौरान उम्मीदवारों की एक शॉर्टलिस्ट पहले ही तैयार की जा चुकी है। इस लिस्ट को केंद्रीय चुनाव समिति को विचार और अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली लाया गया है। गुजरात है भाजपा का गढ़ बता दें कि गुजरात दशकों से भाजपा का गढ़ बना हुआ है। भाजपा अब अपना यहां छठा कार्यकाल चाहती है। प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेन्द्र मोदी 2001 से 2014 तक गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे हैं।3 नवंबर को भारत के चुनाव आयोग ने गुजरात के लिए चुनाव की तारीखों की घोषणा की है। यहां दो चरणों में क्रमशः एक दिसंबर और पांच दिसंबर को मतदान होगा। पहले चरण में 89 सीटों पर मतदान होगा जबकि दूसरे चरण में 93 सीटों पर मतदान होगा। 182 सदस्यीय राज्य विधानसभा का कार्यकाल 18 फरवरी, 2023 को समाप्त हो रहा है। गुजरात राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा और उसकी पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पार्टी के बीच पारंपरिक आमना-सामना हुआ है। हालांकि, आगामी चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की एक नई पार्टी चुनावी मैदान में नजर आ रही है।

बॉक्स ऑफिस पर फेल हुआ अक्षय कुमार का स्टारडम, वीकेंड के बाद ही धड़ाम हुई राम सेतु

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों लगभग 4 से 5 फिल्में मुकाबला कर रही हैं। इनमें जाह्नवी कपूर की मिली, सोनाक्षी सिन्हा की डबल एक्सएल, कटरीना कैफ की फोन

भूत, अजय देवगन की थैंक गॉड और अक्षय कुमार की राम सेतु शामिल है। इतने तगड़े मुकाबले के बाद भी राम सेतु बॉक्स ऑफिस पर अच्छा पर परफॉर्म कर रही थी। वीकेंड पर भी फिल्म ने ठीक-ठाक कलेक्शन किया, लेकिन सोमवार को फिल्म की कमाई में काफी गिरावट देखने को मिली और राम सेतु की कमाई अब तक के निचले स्तर पर पहुंच गई है 25 अक्टूबर को रिलीज हुई राम सेतु ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 15.25 करोड़ के साथ खाता खोला था। इसके बाद हर बढ़ते दिन के साथ फिल्म की कमाई में कुछ गिरावट देखने को मिली। फिर भी राम सेतु का कलेक्शन हमेशा 1 करोड़ से ऊपर ही रहा। फिल्म ने अपने दोनों वीकेंड पर भी लागत निकालने की पूरी कोशिश की और राम सेतु का कलेक्शन बीते रविवार को 70 करोड़ का आंकड़ा पार कर गया। जबकि, सोमवार को कलेक्शन में एक बार फिर गिरावट आई और 7 नवंबर को राम सेतु ने अब तक का सबसे कम कलेक्शन किया बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए राम सेतु ने अब तक खूब मेहनत की है और सफल भी रही है, लेकिन फिल्म का बीते दिन का कलेक्शन देख कर लगता है कि राम सेतु की सिनेमाघरों से जल्द छुट्टी हो सकती है। फिल्म ने शनिवार को 1.75 करोड़ कमाए थे। जबकि, रविवार को कलेक्शन 1.80 करोड़ तक पहुंच गया। ऐम्हग्त्व् की रिपोर्ट के अनुसार, सोमवार को राम सेतु ने देशभर में 85 लाख रुपये कमाए। इसके साथ ही फिल्म का टोटल कलेक्शन 71.15 करोड़ हो गया है।

अरबाज खान ने दबंग 4 को लेकर किया खुलासा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता और निर्देशक अरबाज खान इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज तनाव को लेकर काफी चर्चा में हैं। इस वेब शो में कश्मीर की बेहद जटिल परिस्थितियों के साथ-साथ राजनीति को बखूबी रूप से दिखाया जाएगा। अब उन्होंने अपने वेब शो की रिलीज

से पहले अपने दबंग फ्रेंचाइजी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लेकर बात की है, जिसमें उनके भाई सलमान खान मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। अंग्रेजी समाचार पिंकविला को दिए इंटरव्यू के अनुसार अरबाज खान ने कहा, ये प्रोजेक्ट हम लोगों की लाइन में है, लेकिन सलमान और मुझे अपनी पुरानी कमिट्मेंट्स से फ्री होने की जरूरत है। हमको जरूर बनाएंगे। दबंग 3 और दबंग 4 के बीच उतना वक्त नहीं लगेगा जितना दबंग 2 और 3 के बीच लगा था।अभिनेता ने आगे कहा, हम दोनों अपने अन्य प्रोजेक्टों से फ्री होने के बाद बात करेंगे और फिर बैठकर बात करेंगे, सोचेंगे क्योंकि ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है जो हम दोनों के बेहद करीब है। इसी वजह से हमसे कोई भी व्यक्तिगत रूप से इसका निर्णय नहीं ले सकता। उन्होंने आगे कहा, दबंग 4 एक ऐसा प्रोजेक्ट होगा, जिसको हम प्यार, दिल और मेहनत के साथ बनाना चाहते हैं। क्योंकि ये सिर्फ के नंबर नहीं जो चाहा और बना दिया। ये सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फ्रेंचाइजी की फिल्म है। जिससे लोगों के सामने काफी सचेत अंदाज में पेश किया जाएगा। बता दें कि अरबाज खान की अपकमिंग वेब सीरीज 11 नवंबर को सोनी लिव पर स्ट्रीम होगा। जिसकी कहानी कश्मीर की पृष्ठभूमि पर सेट तनाव की कहानी कश्मीर में होने वाली आतंकी घटनाओं और आतंकी गतिविधि पर आधारित है, जिसमें सोशल पॉलिटिकल एक्शन ड्रामा भी नजर आएंगा। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बने इस वेब शो का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट कर रहा है। आपको बता दें कि अरबाज खान इस वेब शो से लंबे वक्त बाद वापसी कर रही हैं। उन्होंने इससे पहले बतौर निर्माता अरबाज खान ने अपने करियर की बात करें तो अरबाज ने 2010 में आयी सलमान खान की बेहद सफल फिल्म दबंग से निर्माता के तौर पर पारी शुरू की थी।

अनुष्का शर्मा ने शुरू की चकदा एक्सप्रेस के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग, फैंस को रिलीज डेट का इंतजार

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। पीके, सुल्तान, रब ने बना दी जोड़ी जैसी फिल्मों में अपनी जबरदस्त एक्टिंग के दम पर बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल करने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपनी फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' को लेकर लगातार

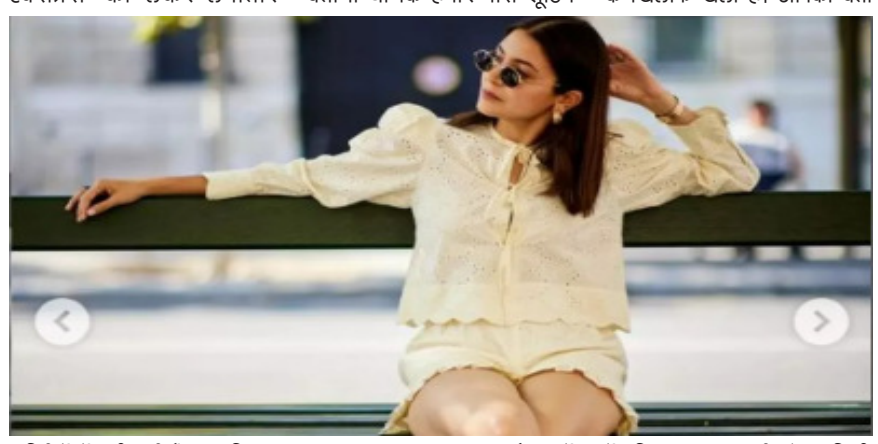

सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस फिल्म से अनुष्का लंबे वक्त बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। अब जानकारी आ रही है कि उन्होंने अपनी इस फिल्म के अंतिम शेड्यूल की शूटिंग को शुरू कर दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई की खबर के अनुसार, अनुष्का शर्मा ने चकदा एक्सप्रेस के अंतिम मुंबई शेड्यूल की शूटिंग को शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस पिछले एक महीने अपनी इस फिल्म की नॉन-स्टॉप शूटिंग कर रही हैं। अनुष्का शर्मा ने मुंबई शेड्यूल से पहले कोलकाता में अपनी फिल्म की शूटिंग मशहूर क्रिकेट स्टेडियम ईडन गार्डन में शूट किया था, जहां से उनकी कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। उन्होंने कोलकाता शेड्यूल के दौरान एजेंसी बताया था कि हमारे पास शूटिंग का एक शानदार अनुभव और यादें हैं, जो में जीवन भर संजो कर रखूंगी। झूलन भारत के साथ-साथ पश्चिम बंगाल के लिए एक प्रतीक हैं। झूलन गोस्वामी की बायोपिक है फिल्म प्रोसित रॉय द्वारा निर्देशित फिल्म चकदा एक्सप्रेस में विश्व क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज महिला गेंदबाजों में शामिल झूलन गोस्वामी की शानदार जर्नी को दिखाया जाएगा, जो अनगिनत बाधाओं के बावजूद सफलता की सीढ़ियां चढ़ने में कामयाब होती है और भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हिस्सा बनकर अपना सपना भी साकार करती है। ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। आपको बता दें कि हाल ही में झूलन गोस्वामी ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय एकदिवसीय मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेला है। आपको बता दें, कि अनुष्का शर्मा को आखिरी बार साल, 2018 में रिलीज हुई शाह रुख खान की फिल्म जीरो में देखा गया था। इस फिल्म में अनुष्का ने शाह रुख खान और कटरीना कैफ के साथ मुख्य किरदार निभाया है। इस फिल्म में उन्होंने नासा की वैज्ञानिक आफिया का किरदार निभाया है। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग से थोड़ा ब्रेक ले लिया। लेकिन उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले कई फिल्मों और वेब सीरीज का निर्माण किया गया है।

एथनिक लुक में कहर ढा रहीं नुसरत जहां, एक्ट्रेस की सादगी ने जीता फैंस का दिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बंगाली ब्यूटी नुसरत जहां सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर करती रहती हैं, जिसे उनके फैंस खूब पसंद करते हैं। सिर्प फैंस ही नहीं, बल्कि सेलेब्रिटी के बीच भी नुसरत की अदाओं भरी तस्वीरें

चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने पीले कलर के लहंगे में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनकी अदा देखते ही बन रही है। इसे काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। तस्वीरों में उनकी हर अदा कातिल है, जिससे नजरें हटा पाना भी मुश्किल हो रहा है। फैंस को पीले कलर में नुसरत की फोटो बहुत पसंद आ रही है। वह उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे। कोई उन्हें गॉर्जियस तो कोई 'ब्यूटी एट इट्स बेस्ट' का कमेंट उनके लिए कर रहा है। कई फैंस ने बंगाली में उनके लिए स्वीट नोट लिखे हैं। बंगाली एक्ट्रेस अपनी सादगी से सभी का दिल जीत रही हैं। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए नुसरत ने न्यूड मेकअप किया है। आंखों पर हल्का सा काजल और पिंक लिप्स्टिक नुसरत की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसके साथ ही कानों में गोल्ड के ईयररिंग्स पहने हैं और बालों को खुला रखा है। अक्सर चर्चा में रहती हैं नुसरत नुसरत अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर जुड़ी हैं। वह इस प्लेटफॉर्म पर काफी एक्टिव भी हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने शिमरी ड्रेस में ग्लैमरस फोटोशूट कराया था, जिसे देख लोग दिल हार बैठे थे। अब फिर से नुसरत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक से लोगों को दीवाना बना दिया है।

बेटी को पहली बार गोद में उठाकर रो पड़े थे रणबीर कपूर, दोनों को देख ऐसा था आलिया का रिएक्शन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट दो दिन पहले पेरेंट्स

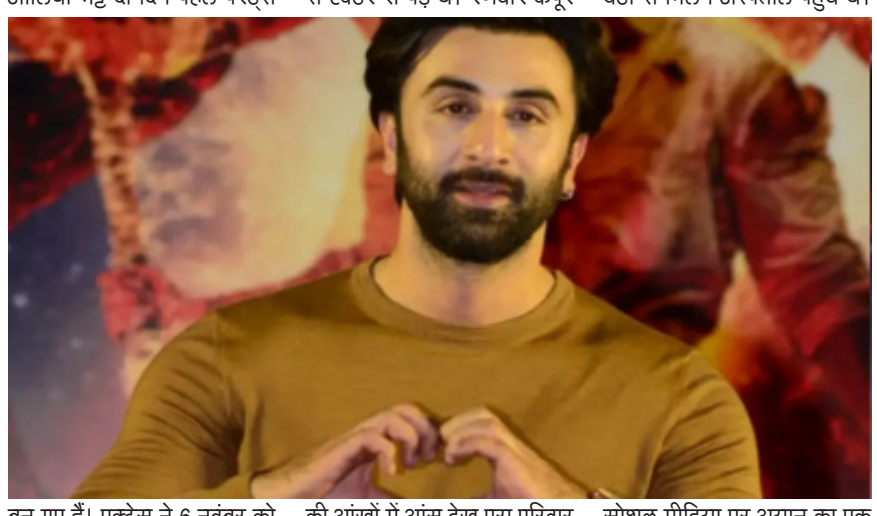

बन गए हैं। एक्ट्रेस ने 6 नवंबर को प्यारी से बेटी को जन्म दिया है। ऐसे में कपूर और भट्ट परिवार के साथ-साथ इस कपल के फैंस भी काफी खुश हैं। हर कोई बेबी गर्ल को लेकर तरह-तरह के सवाल कर रहा है। क्या नाम रखा है, फोटो कब सामने आएगी। इस तरह के कई सवाल फैंस के मन में आ रहे हैं। इसी बीच पापा बने रणबीर कपूर को लेकर एक खुलासा हुआ है। दरअसल, बेटी को अस्पताल में जब रणबीर कपूर ने पहली बार अपनी गोद में उठाया था तो, खुशी से एक्टर रो पड़े थे। रणबीर कपूर की आंखों में आंसू देख पूरा परिवार रोने लगा था। आलिया भट्ट की भी आंखें भर आई थीं। हाल ही में दादी बनीं नीतू कपूर ने बहू और पोती को लेकर जानकारी दी थी कि, दोनों बिल्कुल ठीक है। आलिया अभी अस्पताल से डिस्चार्ज नहीं हुई हैं। ऐसे में फैंस को इंतजा है एक्ट्रेस और उनकी बेटी की एक झलक देखने का। दोनों परिवार में बधाइयों का तांता लग हुआ है। आलिया-रणबीर कपूर को पेरेंट्स बनने पर बधाई दे रही हैं। देर शाम अयान मुखर्जी आलिया और उनकी बेटी से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अयान का एक वीडियो सामने आया था जिसमे वह अपनी गाड़ी में बैठे नजर आए थे। बता दें इस कपल ने इसी साल अप्रैल में शादी की थी। जून में एक्ट्रेस ने अपनी प्रेगनेंसी की न्यूज फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की थी। आलिया अपनी प्रेग्नेंसी के दिनों में काफी लाइमलाइट में रहीं थी। उनका मैटरनिटी फैशन ट्रेंड में रहा था।

तब्बू की बर्थडे पार्टी में शामिल हुईं शिल्पा और फराह, सामने आई पजामा पार्टी की तस्वीर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। 4 नवंबर को अपना 52वां जन्मदिन सेलिब्रेट किया था। इस मौके पर एक्ट्रेस को ढेरों बधाइयां मिली थीं। वहीं अब जन्मदिन के तीन दिन बाद एक्ट्रेस पार्टी करती नजर आई। यह पार्टी उन्होंने अपनी दोस्त शिल्पा शेट्टी

और फराह खान के साथ एन्जॉय की। इसकी एक झलक सोशल मीडिया पर उन्होंने शेयर की है। शिल्पा और फराह के साथ तब्बू ने की पजामा पार्टी इस पार्टी की एक झलक फराह खान ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि पहले पार्टी कहा और कब होनी थी। शिल्पा ने तब्बू का बर्थडे अपने रेस्ट्रॉन्ट बैस्टियन में प्लान किया था, लेकिन अंत में उन्होंने फराह के घर पजामा पार्टी की। फराह खान ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, 'तब्बू का बर्थडे फॉर्मल ड्रेस में सेलिब्रेट किया, शिल्पा शेट्टी बैस्टियन के लिए प्रॉमिस करने के लिए और फिर मेरा प्लान बनाने के लिए थैंक यू । फोटो में देख सकते हैं तीनों हसीनाएं नाइट वियर में नजर आ रही हैं। इस पोस्ट पर शिल्पा ने कमेंट किया, 'फराह, तबू और बैस्टियन...प्रॉमिस आगे भी रखा जाएगा क्योंकि आफ्टर पार्टी भी तुम्हारी ही है ईप्पदद, हैपी बर्थडे टिम्पू मेरी जान।'तब्बू को बर्थडे विश करते हुए फराह ने इंस्टाग्राम पर 4 अनदेखी तस्वीरे साझा की थी। इन फोटो के कैप्शन में लिखा था- 'मेरी जान, मेरी मोस्ट टैलेंटेड दोस्त वह भी पिछले 30 साल से... तुम्हें मैं बहुत प्यार करती हूं और लोग कहते हैं कि बॉलीवुड में दोस्ती नहीं रहती। हैप्पी बर्थडे तब्बू. लव यू फॉरएवर। बता दें फराह और तब्बू की दोस्ती सालों पुरानी है। पहली बार फिल्म विरासत की शूटिंग के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी और आज भी बिलकुल वैसे ही है। एक्ट्रेस के वर्कफ्रंट की बात करें तो जल्द अजय देवगन की फिल्म 'दृश्यम 2' में नजर आएंगी।

जम्पसूट पहन अजीब तरह से चलने लगीं मलाइका अरोड़ा, लोगों ने कहा टूटी है कमर की हड्डी

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एक्ट्रेस और मॉडल मलाइका अरोड़ा, अर्जुन कपूर के साथ अपनी तस्वीरों के अलावा अपने

लुक्स, फिटनेस और ड्रेसिंग सेंस को लेकर अक्सर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। मलाइका को उनके काम से ज्यादा फिटनेस रूटीन और बोल्ड फैशन सेंस के लिए पहचाना जाता है। हाल ही में इस मॉडल एक्ट्रेस का एक वीडियो सामने आया है, जिसके लिए उन्हें ट्रोल भी खूब किया जा रहा है। लेकिन इस बार उन्हें उनकी चाल से ज्यादा किसी और चीज के लिए ट्रोल किया जा रहा है। विरल भयानी नाम के इंस्टाग्राम पेज पर मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो पोस्ट किया गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि मलाइका ने पीच कलर का जम्पसूट पहना है और इसी ड्रेस में उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। इस बार मलाइका को उनकी चाल के साथ ही वॉकिंग पोश्चर के लिए भी सुनाया जा रहा है। इस वीडियो में मलाइका अपने हिप्स को थोड़ा बाहर निकालकर चल रही हैं। मलाइका को इस तरह चलता देख कुछ यूजर्स ने उन्हें फिर खरी-खोटी सुनान शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि वह प्रेग्नेंट लग रही हैं। तो वहीं कुछ का कहना है कि उनकी कमर की हड्डी टूटी है और इसलिए वह सही ढंग से चल रही हैं। उनका वॉकिंग पोश्चर इस एक वजह से बिगड़ा लग रहा है। एक अन्य यूजर ने उनके कपड़ों पर कमेंट किया है। उसने लिखा 'बहन कपड़े खरीद लो, आखिर इतनी अमीरी किस काम की।

कृति सेनन और वरुण धवन अभिनीत भेड़िया का रोमांटिक सॉन्ग अपना बना ले रिलीज

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कृति सेनन और वरुण धवन की फिल्म भेड़िया जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। भेड़िया की रिलीज डेट पास आते ही मेकर्स और स्टार कास्ट

ने फिल्म का प्रमोशन शुरू कर दिया है। अब मेकर्स ने फिल्म का रोमांटिक सॉन्ग अपना बना ले रिलीज कर दिया है। दिखी कृति और वरुण की क्यूट बॉन्डिंग इस रोमांटिक गाने में कृति और वरुण खूबसूरत पहाड़ों के बीच रोमांस करते हुए दिख रहे हैं और इस दौरान दोनों के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री के साथ-साथ क्यूट बॉन्डिंग दिख रही है। भेड़िया के इस गाने की रिलीज के बारे में वरुण धवन और कृति सेनन ने अपने-अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा कर दी है।अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखे इस रोमांटिक गाने को अरिजीत सिंह ने अपनी बेहतरीन आवाज में गाया है। जिसके बोल और अरिजीत की आवाज का जादू गाने से फैंस का दिल छू रहा है और माहौल को पूरी तरह से रोमांटिक बना रहा है। भेड़िया का निर्देशन स्त्री और बाला जैसी फिल्मों का डायरेक्शन करने वाले निर्देशक अमर कौशिक ने किया है। इस क्रिएचर कॉमेडी फिल्म की कहानी वरुण धवन के इर्द-गिर्द घूमती हुई दिखाई देगी, जो एक भेड़िया के काटने के बाद उनकी आदतें और शरीर भेड़िया के रूप में बदल जाता है। मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो के बैनर तले बनी कृति सेनन और वरुण धवन स्टारर फिल्म 25 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के ज्यादा तर भाग को अरुणाचल प्रदेश में शूट किया गया है। बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो भेड़िया के अलावा पौराणिक फिल्म आदिपुरुष में नजर आने वाली हैं। ओम राउत द्वारा निर्देशित फिल्म आदिपुरुष में प्रभास मुख्य भगवान राम के स्वरूप की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

वेस्टिबुलर हायपोफंक्शन' से जूझ रहे वरुण धवन ने किया फैंस का शुक्रिया बताया कैसे रखा खुद को फिट

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। एक्टर्स के लिए दिन रात काम करना और उसके बाद घंटों वर्कआउट कर अपनी हेल्थ का ध्यान रखना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन ग्लैमर वर्ल्ड में खुद को बनाए रखने के लिए उन्हें यह टाइट

शेड्यूल अपनाना पड़ता है। इससे वह फिट और यंग तो दिखते हैं, लेकिन कई बार इसका खामियाजा भी उन्हें भुगतना पड़ता है। हाल ही में वरुण धवन ने वेस्टीबुलर हायपोफंक्शन नाम की बीमारी से जूझने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि पेंडेमिक के बाद जब धीरे-धीरे चीजें खुलना शुरु हुईं, तो उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। जब उन्हें इस बीमारी के बारे में पता लगा तो वह काफी परेशान हो गए। अब वह कैसा महसूस कर रहे हैं, इस बारे में जानकारी दी है। वरुण धवन इन दिनों फिल्म 'भेड़िया' को लेकर चर्चा में हैं। इसी महीने यह फिल्म रिलीज हो रही है। लिहाजा पूरी स्टार कास्ट 'भेड़िया' के प्रमोशन इस में जुट गई है। इस बीच अपने बिजी शेड्यूल से समय निकालकर वरुण धवन ने अपने फैंस और शुभचिंतकों को धन्यवाद कहा। उन्होंने उन सभी लोगों को थैंक्यू कहा, जिन्होंने उनकी बीमारी की जानकारी होने पर उनके जल्द ठीक होने की कामना की थी। एक्टर ने ट्वीट किया, 'मैं जानता हूं कि हाल ही में एक इंटरव्यू में मैंने अपनी हेल्थ के बारे में बात की और बताया कि मैं अपना 100 फीसदी नहीं दे पा रहा हूं। आप सबका जो प्यार और दुआ मुझे मिला उसने मुझे विनम्र बना दिया है और वास्तव में अपना 100 प्रतिशत देने के लिए बहुत उत्साहित हूं।इसके बाद एक अन्य ट्वीट में वरुण ने बताया कि खुद को वापस से पहले की तरह एक्टिव और फिट रखने के लिए वह क्या करते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।